twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

divyadelhi.com | रविवार, 31 अगस्त, 2025 | वर्ष: 01, अंक: 03, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- 09/- दिव्य दिल्ली (इंग्लिस पेपर सहित)

जापान की सफल यात्रा के बाद मोदी चीन रवाना

मोदी संघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान की सफल यात्रा के बाद शनिवार को अपनी यात्रा के अगले पड़ाव चीन के लिए रवाना हो गए। चीन के तियानजिन में रविवार, 31 अगस्त से शुरू हो रहे संघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस दौरान उनके कई द्विपक्षीय बैठकें भी करने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के अपने समकक्ष शिगेरु इशिबा को धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि जापान की यह यात्रा उन उपयोगी परिणामों के लिए याद रखी जाएगी जिनसे हमारे देश के लोगों को लाभ होगा। मोदी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री इशिबा, जापानी जनता और सरकार को उनकी गर्मजोशी के लिए धन्यवाद देता हूं। अपनी यात्रा के दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की सेमीकंडक्टर क्षमताओं का अवलोकन किया, एआई सहयोग पर चर्चा की तथा रणनीतिक तकनीक तथा प्रतिभा संबंधों को मजबूत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान जापानी प्रधानमंत्री इशिबा को उपहार स्वरूप आंध्र प्रदेश से प्राप्त मूनस्टोन से बने पारंपरिक रेमन बाउल और राजस्थान की पारंपरिक शैली से सजे चॉपस्टिक भेंट किए। वहीं, इशिबा की पत्नी को कश्मीर की प्रसिद्ध पश्मीना शॉल और हस्तनिर्मित पेपर माशे बॉक्स उपहार में दिया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार आज प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने मियागी प्रीफेक्चर के सेनदाई में स्थित टोक्यो इलेक्ट्रॉन मियागी लिमिटेड का संयुक्त दौरा किया। यह कंपनी सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी है। मोदी को कंपनी की वैश्विक भूमिका, निर्माण क्षमताओं और भारत से जुड़ी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। दोनों नेताओं ने सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला, निर्माण और परीक्षण में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

भारत से रिश्ते सुधारने के लिए परेशान है चीन

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपने चीन के साथ व्यापार युद्ध की शुरूआत की थी, उसी समय चीन भारत के साथ शांतिपूर्ण तरीके से अपना संबंध सुधारने की कोशिश में लग गया। इस संबंध में चीन की ओर से भारत को एक खत भी लिखा गया था। वहीं माना जा रहा कि इस शिखर सम्मेलन के दौरान एससीओ के सभी देश एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। वहीं, इसके अतिरिक्त सभी सदस्य देश एससीओ विकास रणनीतिक को मंजूरी देंगे, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा करेंगे।

जापान की यात्रा से मजबूत हुए दोनों देशों के रिश्ते

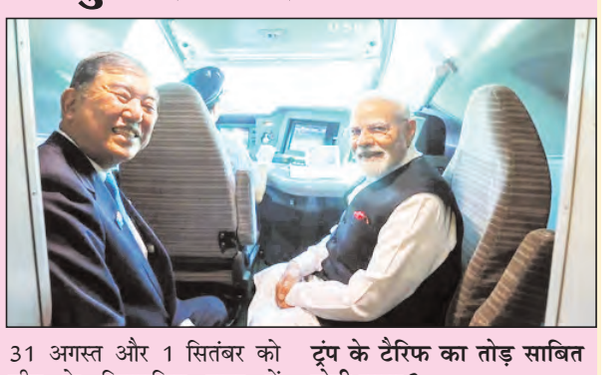

31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के तियानजिन शहर में आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी चीन पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है। करीब 7 साल बाद पीएम मोदी चीन की यात्रा पर हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपनी दो दिवसीय जापान की यात्रा को पूरा कर लिया है। जापान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने अपने समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ शिखर वार्ता की। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और जापान के बीच कई अहम समझौतों पर बात बनी।

ट्रंप के टैरिफ का तोड़ साबित होगी यात्रा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया हो, लेकिन उनके इस फैसले को लेकर कई अमेरिकी दिग्गजों ने चिंता जाहिर की है। अमेरिका के जाने-माने अर्थशास्त्री रिचर्ड वूल्फ ने चेताया है कि ट्रंप का ये फैसला गल्लत साबित होगा। उन्होंने सीधे कहा कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आ रहा है और अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत का रूस से तेल खरीदारी जारी रखना यह दिखाता है कि शक्ति का संतुलन अब अमेरिका से हट कर ब्रिक्स देशों की ओर झुक रहा है। अमेरिका की टैरिफ नीति ब्रिक्स को मजबूत और एकजुट बना रही है।

सेमीकंडक्टर विनिर्माण तंत्र और जापान की उन्नत तकनीकी क्षमता एक-दूसरे के पूरक

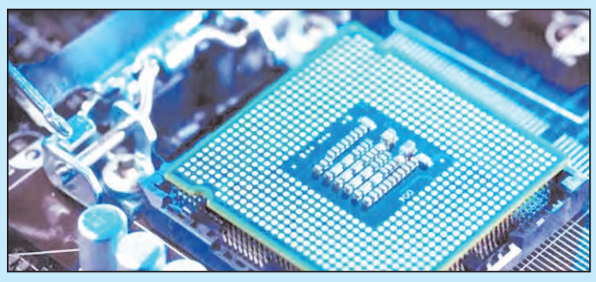

भारत के बढ़ते सेमीकंडक्टर विनिर्माण तंत्र और जापान की उन्नत तकनीकी क्षमता एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों देशों ने इस क्षेत्र में सहयोग गहराने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन साझेदारी और आर्थिक सुरक्षा संवाद के अंतर्गत हुए समझौतों पर भी आगे काम करने का निर्णय हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले जापान में एक घंटे में 320 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ने वाली शिंकानसेन बुलेट ट्रेन से सेनदाई तक की यात्रा की। उनके इस सफर में जापान के प्रधानमंत्री इशिबा भी रहे। वहां इशिबा ने उनके सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया, जिसमें मियागी प्रीफेक्चर के गवर्नर सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने आज जापान के विभिन्न प्रान्तों के राज्यपालों से मुलाकात की। इस बातचीत में सोलह राज्यपालों ने भाग लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-जापान साझेदारी को केवल दिल्ली-टोक्यो तक सीमित न रखते हुए राज्यों और प्रीफेक्चरों (जापान में राज्यों के लिए उपयोग शब्द) तक विस्तारित किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य-प्रीफेक्चर साझेदारी पहल के अंतर्गत व्यापार, प्रौद्योगिकी, पर्यटन, कौशल और संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। गवर्नरों ने भी उप-राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने कल अपनी यात्रा के दौरान भारत-जापान 15वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री इशिबा के साथ वार्ता की।

जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी मृतक 40 वर्ष से कम आयु के थे। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मृतकों के परिवारों के लिए 10 लाख की सरकारी सहायता की घोषणा की थी। वहीं, आरसीबी ने भी शुरूआती तौर पर 11 परिवारों को 10 लाख की आर्थिक मदद देने का वादा किया था।

पारंपरिक खेल हमारी धरोहर : दीया कुमारी

जोधपुर

रोटरी क्लब ऑफ जोधपुर संस्कार द्वारा रेलवे स्टेडियम में आयोजित लंगड़ी एक्सप्रेस कार्यक्रम ने शनिवार को नया इतिहास रच दिया। 600 से अधिक बच्चों ने एक साथ दौड़ लगाकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जोधपुर का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा दिया।

आरसीबी ने भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को दी 25-25 लाख की राहत राशि

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि वह 4 जून को हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की सहायता राशि देगी। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 4 जून 2025 को हमारे दिल टूट गए। हमने अपने आरसीबी परिवार के 11 सदस्यों को खो दिया। वे हमारे समुदाय, हमारे शहर और हमारी टीम का हिस्सा थे। उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। कोई भी मदद उस जगह को भर नहीं सकती, लेकिन शुरूआती कदम के तौर पर आरसीबी ने प्रत्येक परिवार को 25 लाख दिए हैं। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि करुणा, एकजुटता और देखभाल का वादा है। आरसीबी ने साथ हीआरसीबी केयर्स पहल की शुरूआत की घोषणा की, जिसके तहत पीड़ितों की स्मृति को सम्मानित करते हुए लंबे समय तक सार्थक कार्य किए जाएंगे। गौरतलब है कि पंजाब किंग्स को हराकर आरसीबी ने 18 साल बाद आईपीएल खिताब जीता था। इसके अगले दिन एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम और ओपन बस परेड में लाखों प्रशंसक उमड़ पड़े। हालांकि, करीब दो लाख लोगों की भारी भीड़ स्टेडियम की 32,000 की क्षमता पर हावी हो गई, जिससे गेट पर अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई,

हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई तय करने के लिए जल्द ही होगा अध्ययन: नायडू

नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि आगामी हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन शुरू किया जाएगा। इसके लिए आईसीएओ विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने यहां के अशोका होटल में नारेडको के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। नायडू ने अपने संबोधन में आगामी हवाई अड्डों के आसपास रियल एस्टेट विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार एयरपोर्ट और उनके आसपास सेवाओं को बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार कर रही है। रियल एस्टेट क्षेत्र के संगठन नारेडको के सम्मेलन में नायडू ने कहा कि? भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 88 बढ़कर 162 हो गई है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाना है और देश में 350 से ज्यादा हवाई अड्डे बनाने की क्षमता है।

सभी जिलों में मिनी सचिवालय स्थापित किए जा रहे हैं: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के सभी 11 जिलों में मिनी सचिवालय स्थापित किए जा रहे हैं, जहां अधिकारियों को आवश्यक संसाधन, अधिकार और स्टाफ उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने यह बातें शनिवार को अलीपुर डीएम कार्यालय में डिस्ट्रिक्ट कमिटी चेयरमैन कार्यालय का शुभारंभ करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व इन्हीं संकल्पों को मूर्त रूप देते हुए उत्तर जिला के डीएम कार्यालय को पूरी तरह रेनोवेट करके जनता की सेवा का सशक्त केंद्र बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अब स्थानीय लोग अपनी समस्या सीधे डीएम कार्यालय में दर्ज कराकर त्वरित समाधान पा सकेंगे। यही है जवाबदेह शासन का नया स्वरूप। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चंदोलिया, कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राजराज, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे। यह जानकारी मुख्यमंत्री अपने एक्स अकाउंट पर साझा की। इसे पहले मुख्यमंत्री ने शनिवार को अलीपुर में युवा साथियों और स्वच्छताग्रहियों के साथ दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान को आगे बढ़ाया। कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाने में हमारे स्वच्छता कर्मियों की निस्वार्थ सेवा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण का पुण्य कार्य है। उनका समर्पण हर दिल्लीवासी के लिए प्रेरणा है।

नोएडा में देश की पहली टेम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई शुरू

नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शनिवार को नोएडा में मोबाइल उपकरणों के लिए देश की पहली टेम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। इसे ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स और अमेरिका की कॉर्निंग इंकॉरपोरेटेड के संयुक्त उद्यम से स्थापित किया गया है। इकाई इंजनियर बॉय कोर्निंग ब्रांड के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करेगी और इससे घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आपूर्ति होगी। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि टेम्पर्ड ग्लास मोबाइल फोन का एक महत्वपूर्ण सहायक उपकरण है और इसका स्वदेशी निर्माण आत्मनिर्भर भारत तथा 'मेक इन इंडिया' अभियान की दिशा में अहम कदम है। चरणबद्ध तरीके से भारत मोबाइल फोन में उपयोग होने वाले सभी घटकों का निर्माण कर रहा है।

इसमें चिप्स, कवर ग्लास, लैपटॉप और सर्वर उपकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही भारत में निर्मित चिप बाजार में आएगी। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़कर 11.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। इसमें से तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ है और 25 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका डिजाइन क्षेत्र है और सरकार अनुसंधान एवं विकास को निरंतर प्रोत्साहित करेगी। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि आईआईटी मद्रास से जुड़े एक स्टार्टअप ने भारत का पहला माइक्रोकंट्रोलर तैयार किया है, जो जल्द ही भारतीय उत्पादों में इस्तेमाल होगा। इस अवसर पर ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि भारत विश्व का बड़ा मोबाइल बाजार है।

महुआ मोइत्रा की टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता: केशव

लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर सांसद महुआ मोइत्रा की टिप्पणी की निन्दा की है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वंदे मातरम् का मंत्र देने वाले राज्य की महिला सांसद महुआ मोइत्रा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर जो टिप्पणी की है, वह निहायत ही घोर असंसदीय और आपत्तिजनक है। इसे हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके लिए देश एवं पश्चिम बंगाल की जनता उनको कतई माफ नहीं करेगी। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मोइत्रा यह भलीभांति जानती हैं कि अमित शाह ही हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को इतिहास बना दिया। अधिकांश नक्सली जिलों को मुख्यधारा में लाने के साथ घुसपैठियों पर लगातार लगाम कसने का काम किया है। देश की आंतरिक सुरक्षा पर सख़्त निगरानी का उनका खाका काम कर रहा है। दरअसल, मोइत्रा बेहतर तरीके से समझती हैं कि उनकी तृणमूल कांग्रेस सबसे ज्यादा राजनीतिक खौफ अमित शाह से ही खाती है। अगले विधानसभा चुनाव में अमित शाह उनकी पार्टी की बाजी पलट सकते हैं। घुसपैठियों को सबसे ज्यादा खौफ भी उन्हीं से है। ऐसे में उनको (घुसपैठियों)अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए मोइत्रा ने अभी से अमित शाह के खिलाफ आग उगलना शुरू कर दिया है।

स्वच्छता और शहरी विकास एक ही सिक्के के दो पहलू: मनोहर

नई दिल्ली

केंद्रीय आवास और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को कहा कि स्वच्छता और शहरी विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह बातें उन्होंने मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक के दौरान दिया। इस बैठक में शहरी भारत में स्वच्छता की दिशा में सुधार के लिए कई अहम फैसले लिए गए।

मनोहर लाल ने कहा कि स्वच्छता को प्राथमिकता देने के लिए शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट जल और डंप साइट्स की पहचान की जानी चाहिए। साथ ही इन स्थानों को बदलने और सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने काशी में किया 'जनता दर्शन', हर फरियादी की सुनीं समस्याएं

काशीवासियों की समस्याओं से रूबरू होते हुए मुख्यमंत्री ने 100 से अधिक लोगों की सुनीं फरियाद

वाराणसी

काशीवासियों के लिए शनिवार की सुबह नई आशा और विश्वास की रही, जब प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने यहां हर फरियादी की समस्याएं सुनीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में हुए 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में 100 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री सभी फरियादी के पास खुद गए, उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द निराकरण का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए तत्काल निस्तारण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों की सेवा, सुरक्षा व सम्मान ही सरकार का ध्येय है। प्रदेश के हर नागरिक के चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए सरकार निरंतर प्रयत्नशील है।

हर पीड़ित के पास पहुंचे मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 'जनता दर्शन' किया। जानकारी होते ही फरियादी सुबह ही सर्किट हाउस पहुंच गए। मुख्यमंत्री ने लगभग 100 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनी और प्रार्थना पत्र लिया। मुख्यमंत्री ने आयुक्त, पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी समेत आलाधिकारियों को समस्या के त्वरित निस्तारण कराने और पीड़ितों से फीडबैक लेने के लिए निर्देशित किया।

सीवर कनेक्शन, सड़क, राजस्व, पुलिस आदि से जुड़े मामले आए

दिव्यांग फरियादी ने नेत्रहीनों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी और एक कलाकार ने प्रदर्शनी लगाने के लिए उचित दर पर हॉल की मांग की। जनता दर्शन में सीवर कनेक्शन, कच्ची सड़कों के पक्का करने, जमीन और चक रोड से सम्बंधित मामले भी आए। राजस्व से संबंधित शिकायतें भी पहुंचीं। चंदौली से आए फरियादी ने मुआवजा न मिलने की शिकायत की। पुलिस से जुड़ीं शिकायतें भी लेकर लोग यहां पहुंचे। एक निजी स्कूल के मृतक शिक्षक की पत्नी ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

सीएम ने दिया निर्देश,जनता का फीडबैक भी लें अधिकारी

नागरिकों की सेवा, सुरक्षा व सम्मान ही सरकार का ध्येय है। प्रदेश के हर नागरिक के चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए सरकार निरंतर प्रयत्नशील है।

नई दिल्ली स्टेशन पर मेट्रो से आने वाले 3 हजार यात्रियों के प्रबंधन के लिए बनेगा आधुनिक होल्डिंग एरिया : रेल मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मेट्रो से एक साथ आने वाले करीब तीन हजार यात्रियों के सुचारू प्रबंधन के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ी पहल की है। स्टेशन परिसर के अजमेरी गेट की ओर एक आधुनिक स्थायी होल्डिंग एरिया तैयार किया जा रहा है, जहां मेट्रो से उतरने वाले यात्री पहले प्रवेश करेंगे, टिकट खरीदेंगे और फिर सुरक्षित तरीके से प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ेंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि त्योहारों के दौरान यात्रियों को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े।

रेल मंत्री ने बताया कि नई दिल्ली स्टेशन पर एक्सेस कंट्रोल और होल्डिंग एरिया का काम तेज़ी से चल रहा है। होल्डिंग एरिया बनने से अचानक आने वाली भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि मेट्रो से यदि एक साथ तीन हजार यात्री आते हैं, तो वे सीधे प्लेटफॉर्म पर भीड़ नहीं बनाएंगे, बल्कि पहले इस समर्पित होल्डिंग एरिया में जाएंगे। इससे प्लेटफॉर्म और स्टेशन भवन पर अचानक भीड़ उमड़ने की स्थिति से बचा जा सकेगा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि काम अच्छी तरह से चल रहा है, सभी अनुमतियां मिल गई हैं। डिज़ाइन का काम लगभग पूरा

हो गया है। टेंडर फाइनल हो गया है और जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। रेल अधिकारियों के अनुसार, इस होल्डिंग एरिया का उद्देश्य प्लेटफॉर्म और स्टेशन भवन पर अचानक उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करना है। इसे तीन हिस्सों में बांटा गया है। प्री-टिकटिंग एरिया (1950 वर्ग मीटर)- लगभग 2700 यात्रियों के बैठने की क्षमता। टिकटिंग एरिया (2288 वर्ग मीटर): करीब 3100 यात्रियों के सुचारू आवागमन की व्यवस्था। टिकट-पश्चात क्षेत्र (1570 वर्ग मीटर): लगभग 1350 यात्रियों के बैठने की जगह, जिससे सुरक्षा जांच और सामान स्कैनिंग बिना अव्यवस्था के हो सके। बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए इस क्षेत्र में 22 टिकट काउंटर, दो शौचालय ब्लॉक, जन-संबोधन प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक सूचना बोर्ड, एआई आधारित निगरानी कैमरे, सामान स्कैनर, मार्गदर्शन के लिए साइनेज और मेट्रो कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं।

महाराष्ट्र के बीड में तेज रफ्तार कंटेनर से कुचलकर छह पैदल यात्रियों की मौत

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नमलगांव फाटा फ्लाईओवर के पास शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार कंटेनर से कुचलकर छह पैदल यात्रियों की मौत हो गई है । बीड़ ग्रामीण

पुलिस की टीम ने इस मामले में कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है। बीड में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह छह लोग धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर से पेंडगांव में देवदर्शन के लिए जा रहे थे। तभी नमलगांव फाटा फ्लाईओवर के पास पीछे से आ रहे तेजरफ्तार कंटेनर ने इन सभी को कुचल दिया और कंटेनर चालक कंटेनर को लेकर फरार हो गया। इस घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई , जबकि दो घायलों को तत्काल बीड़ जिला अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी दोनों की भी मौत हो गई। इस घटना में मृतकों की पहचान विशाल श्रीकिसन काकड़े, अमोल नामदेव गर्जे, आकाश कोलसे, पवन जगताप , किशोर टोर और एक अन्य के रुप में गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही बीड़ ग्रामीण पुलिस ने कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आगे की छानबीन कर रही है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक और शिक्षादूत की नक्सलियों ने की हत्या

एजेंसी

बीजापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने एक और शिक्षादूत की हत्या कर दी है। मृतक शिक्षादूत गंगालूर क्षेत्र के नेन्द्रा में पदस्थ था। बीजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, गंगालूर क्षेत्र के नेन्द्रा में पदस्थ शिक्षादूत कल्लू ताती को नक्सलियों ने स्कूल से लौटते समय अगवा कर लिया था। देर रात उसकी हत्या कर दी गई। मृतक मूल रूप से तोड़का गांव का निवासी था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।उल्लेखनीय है कि 27 अगस्त को सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में सिलगेर इलाके के मंडीमरका में नक्सलियों ने एक शिक्षादूत लक्ष्मण बारसे की हत्या कर दी थी। वह मूल रूप से बीजापुर के ग्राम पेगड़ापल्ली का निवासी था। इसी तरह गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात बीजापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मनकेली पटेलपारा में एक 27 वर्षीय युवक सुरेश कोर्सा की अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी और जंगल में भाग गए।स्कूलों के पुनः संचालन के बाद से बीजापुर जिले में 6 और सुकमा जिले में 5 शिक्षादूतों की नक्सलियों द्वारा हत्या की जा चुकी है।

रियासी के माहोर में भूस्खलन, एक ही परिवार के सात लोगों की मौत

रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की माहोर तहसील के भद्दर गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक घर के ढह जाने से एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार यह घटना शनिवार सुबह हुई जब भूस्खलन ने एक खड़ी ढलान पर स्थित घर को अपनी चपेट में ले लिया। इससे घर मलबे में दब गया। घटना के समय घर में परिवार के कई सदस्य मौजूद थे। अधिकारी ने बताया कि सात लोग मलबे में दबे हुए थे। पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के कर्मियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। मलबे में दबे सात लोगों के शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान घर के मालिक नजीर अहमद पुत्र बहार दीन निवासी बद्दर, उनकी पत्नी वजीरा बेगम, बेटे बिलाल अहमद, मोहम्मद मुस्तफा, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद मुबारक और मोहम्मद वसीम के रूप में हुई है। नजीर अहमद के सभी पांच बेटे नाबालिग थे। जिला प्रशासन ने पहाड़ी और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों से भारी बारिश के दौरान सतर्क रहने और असुरक्षित इमारतों में रहने से बचने की अपील की है।

टीएमसी नेता यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी एक सितंबर को बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' में होंगे शामिल

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी एक सितंबर को बिहार में आयोजित 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन चरण में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 17 अगस्त को बिहार में यह यात्रा शुरू की गई है। इस यात्रा का समापन पटना में सोमवार को एक बड़े जुलूस के साथ होगा। टीएमसी सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने निर्णय लिया है कि एक सितंबर को होने वाली इस रैली में यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी तृणमूल कांग्रेस की ओर से शामिल होंगे। कांग्रेस और टीएमसी दोनों राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन 'इंडी' के घटक दल हैं। बिहार के सिवान में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि केंद्र की मोदी सरकार चुनाव आयोग की मदद से वोट चुराने में पकड़ी गई है और इसी वजह से भाजपा नेताओं में बेचैनी बढ़ गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि मतदाता सूची के प्रारूप से 65 लाख नाम हटाना लोगों के मताधिकार पर सीधा हमला है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने इन हटाए गए नामों की सूची 19 अगस्त तक प्रकाशित की थी और 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट भी दाखिल की थी।

जम्मू-कश्मीर: रामबन में बादल फटने से तबाही,4 की मौत एक लापता

एजेंसी

जम्मू । जम्मू संभाग में बादल फटने से भारी तबाही मची है। इस घटना में अब तक चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक लापता बताया जा रहा है। प्रशासन और रेस्क्यू टीम ने इलाके में राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस घटना में हुई मौत पर दुख प्रकट किया है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर बचाव अभियान की जानकारी दी। लिखा, 'अभी-अभी रामबन के डीसी मोहम्मद अलयास खान से बात की। राजगढ़ क्षेत्र में बादल फटने से चार लोगों की दुखद मौत हो गई। पांचवां व्यक्ति लापता है और उसकी तलाश जारी है। इस बीच, कोई घायल नहीं हुआ है। बचाव अभियान जारी है। हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। मैं लगातार संपर्क में हूं।'

जम्मू संभाग को एक बार फिर प्राकृतिक आपदा का सामना करना

पड़ा है। रामबन जिले की राजगढ़ तहसील इलाके में बादल फटने से शुरुआत में तीन लोगों की मौत हुई थी, हालांकि बाद में यह संख्या बढ़कर पांच हो गई, जबकि एक लापता है। प्रशासन और रेस्क्यू टीमें मौके पर मौजूद हैं और राहत-बचाव कार्य तेज कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार तड़के राजगढ़ इलाके में बादल फटा, जिससे कुछ गांव चपेट में आ गए। इस घटना ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। तेज बहाव के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, कुछ पूरी तरह बह गए। बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर भेजे गए और लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। इसके अलावा, पीड़ितों के परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विस्थापित परिवारों को आश्रय देने और भोजन, पानी और बुनियादी चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी राहत शिविर भी स्थापित किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त टीमें तैनात की जाएंगी।रियासी जिले में भी बादल फटने के बाद मची तबाही में एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर जम्मू जाएंगे, बाढ़ से हुए नुकसान का करेंगे आकलन

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हाल ही में आई भारी बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए 31 अगस्त और 1 सितंबर को दो दिवसीय जम्मू संभाग का दौरा करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए दो दिवसीय जम्मू का दौरा करेंगे। वह रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा और किश्तवाड़ का भी दौरा करेंगे। यह दौरा हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के उद्देश्य से होगा, जिसमें लगभग 130 तीर्थयात्रियों सहित लगभग 150 लोग मारे गए थे। केंद्रीय गृह मंत्री 31 अगस्त की शाम को जम्मू पहुंचेंगे और 1 सितंबर की शाम को केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी लौटेंगे। इस यात्रा के दौरान उनके साथ गृह मंत्रालय के अधिकारियों की एक टीम भी होगी। 31 अगस्त की शाम को, वह जम्मू क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

सूत्रों ने बताया, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बैठक में शामिल होंगे और गृह मंत्री को क्षेत्र में हुए नुकसान, राहत/बचाव कार्यों और बुनियादी ढांचे की बहाली के बारे में जानकारी देंगे। भारी बारिश, बादल

फटने और भूस्खलन के कारण सड़कों, पुलों, घरों, दुकानों, फसलों सहित नागरिक संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है, रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है, और माता वैष्णो देवी मंदिर और मचैल माता यात्रा बाधित हुई है। गृह मंत्री अमित शाह माता वैष्णो देवी मंदिर जाते समय अर्धकुंवारी में घायल हुए तीर्थयात्रियों से कटरा शहर के नारायण अस्पताल में मिलेंगे। इसके बाद वह किश्तवाड़ जिले के चशोती में बादल फटने और उसके बाद अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान का हवाई आकलन करेंगे, जहां 14 अगस्त को हुए भीषण बादल फटने में 65 लोग मारे गए थे और 100 से अधिक घायल हुए थे, जिनमें से ज्यादातर माता यात्रा के तीर्थयात्री थे। वह जम्मू जिले के कुछ स्थानों का भी दौरा करेंगे, जहां बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री 1 सितंबर की शाम को नई दिल्ली लौटेंगे। ऐसी उम्मीद जताई जा सकती है कि केंद्र सरकार आने वाले दिनों में प्रभावित लोगों और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के लिए एक बड़े राहत पैकेज की घोषणा कर सकती है।

राजसमंद विधायक दिप्ती माहेश्वरी सड़क दुर्घटना में घायल

एजेंसी

राजसमंद। भारतीय जनता पार्टी की नेता और राजसमंद से विधायक दीप्ति माहेश्वरी की गाड़ी शनिवार सुबह उदयपुर-राजसमंद हाईवे पर एक भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई है। यह हादसा देलवाड़ा थाना क्षेत्र में हाईवे पर सुरंग के पास हुआ।

बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब विधायक अपने राजनीतिक कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद उदयपुर जा रही थीं। इस हादसे में विधायक दीप्ति माहेश्वरी, उनके गनमैन और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घायलों को उदयपुर के गीतांजलि अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विधायक के कंधे में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि अन्य घायलों की हालत भी चिंताजनक बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर नजर रख रही है। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। लेकिन, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्यों में जुट गई। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति भी बनी, जिसे बाद में पुलिस ने नियंत्रित किया।

बिहार के लोग गाली-गलौज की भाषा बर्दाश्त नहीं कर सकते : ललन सिंह

एजेंसी

पटना । बिहार में इस साल होने वाले चुनाव से पूर्व कथित वोट चोरी के विरोध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार महागठबंधन द्वारा निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा ने प्रदेश की सियासत को गर्म कर रखा है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने इसे फर्जीवाड़ा की यात्रा बताया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिस पीएम ने देश का मान दुनिया में बढ़ाया है, उनकी स्वर्गीय माता को इंगित करके गाली दी जा रही है। बिहार के लोग इस तरह की भाषा को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने राजद के शासनकाल को याद कराते हुए कहा कि जब तेजस्वी यादव के माता-पिता का

शासन था, 1990 से 2005 तक, तब लोग ऐसी ही भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस भाषा ने यह साबित किया है कि ये लोग बिहार में फिर से उसी संस्कृति को वापस लाना चाहते हैं। इसे लेकर बिहार के लोग बहुत सजग हैं। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के भाजपा द्वारा फेक नैरेटिव फैलाने के आरोपों को नकारते हुए उन्होंने कहा कि सही में तेजस्वी यादव और राहुल गांधी फेक नैरेटिव सेट करने में लगे हैं। संविधान की पुस्तक लेकर घूम रहे हैं। लोकसभा में संविधान की पुस्तक लेकर आते हैं। संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने कहा है कि लोग अपनी नागरिकता साबित करें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता पर तो कई बार सवाल पहले ही उठ चुका है। वह तो अपनी नागरिकता पहले साबित करें। वे लोग खुद फर्जीवाड़ा कर रहे हैं और मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका कोई मतलब नहीं है।

रेप केस में सजा काट रहे आसाराम ने अंतरिम जमानत की अवधि पूरी होने पर जोधपुर जेल में किया सरेंडर

एजेंसी

जोधपुर। नाबालिग से रेप के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम ने शनिवार, 30 अगस्त को जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया है। राजस्थान हाई कोर्ट ने 27 अगस्त को उसकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसे यह कदम उठाना पड़ा। आसाराम को जनवरी 2025 में पहली बार 12 साल बाद अंतरिम जमानत मिली थी। उसने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जमानत मांगी थी। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, आसाराम की तबीयत स्थिर है और उसे अस्पताल में भर्ती होने या लगातार चिकित्सा देखभाल की जरूरत नहीं है। अहमदाबाद के

सिविल हॉस्पिटल के मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि आसाराम ने पिछले कुछ महीनों में इलाज के लिए कई यात्राएं की हैं और विभिन्न शहरों के अस्पतालों में सलाह ली है, लेकिन किसी भी अस्पताल में नियमित फॉलोअप नहीं कराया है। कोर्ट ने आसाराम के वकील की उस दलील को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एम्स जोधपुर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए स्वास्थ्य में गिरावट की बात कही थी।

बेटे से भी हुई थी मुलाकात

अपनी करीब साढ़े सात महीने की जमानत के दौरान आसाराम ने 11 साल बाद अपने बेटे नारायण साईं से भी मुलाकात की थी। नारायण साईं 25 जून को सूरत जेल से जोधपुर स्थित आसाराम के आश्रम पहुंचे थे।

मध्य प्रदेश बनेगा देश का पर्यटन हब : राज्य मंत्री लोधी

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मध्य प्रदेश आने वाले समय में देश का पर्यटन हब बनेगा। यहां पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों और हितधारकों के साथ पर्यटकों के लिए हर सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को देश का अग्रणी पर्यटन राज्य बनाने के लिए सभी ट्रैवल और टूर ऑपरेटर, होटलियर के साथ हितधारकों और विभाग को मिलकर काम करना होगा। राज्य मंत्री लोधी शुक्रवार देर शाम ग्वालियर में रीजनल टूरिस्म कॉन्क्लेव के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के शुभारंभ अवसर पर महैर बैंड, बुंदेलखंड के नौरता लोकनृत्य और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के लांगुरिया नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें गहरी हैं। प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को टूरिस्ट पूरे विश्व से देखने आते हैं। अगर आप यहां निवेश करते हैं, हमारे पास सबसे बेहतर पॉलिसी है। हम निवेशकों को अच्छा इंसेंटिव दे रहे हैं। यह निवेश ग्वालियर-चंबल और सागर क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रसिद्ध अभिनेता फैसल मलिक ने कहा कि मध्य प्रदेश की खूबसूरत लोकेशन्स फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करती हैं। यहाँ के लोग फिल्म-फ्रेंडली हैं और

शासन-प्रशासन का सहयोग सराहनीय है। मध्य प्रदेश की विविधतापूर्ण और खूबसूरत लोकेशन्स फिल्म निर्माताओं को लगातार आकर्षित करती रही हैं। यही कारण है कि मध्य प्रदेश आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बन चुका है।

मप्र टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध निदेशक बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य ग्वालियर की अमूल्य धरोहरों, संगीत और संस्कृति को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करना है। इस थीम के ज़रिए ग्वालियर को एक ऐसे पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है, जहां पर्यटक सिर्फ़ इतिहास और स्थापत्य को देखें ही नहीं, बल्कि यहां की धड़कन, रिवाज, लोककला और परंपराओं को महसूस भी करें। इसका मक़सद है कि पर्यटन से ग्वालियर की पहचान मज़बूत हो, स्थानीय समुदाय को रोज़गार और नए अवसर मिलें, और आने वाली पीढ़ियां भी इस शहर की धरोहर पर गर्व कर सकें ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले इस रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के दूसरे दिन शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

वाहन लूट और चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिले की छावला थाना टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए हथियार के बल पर वाहन लूट और चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से एक अमेरिकी निर्मित पिस्तौल, एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, पांच चोरी की मोटरसाइकिल और एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। इस ऑपरेशन ने कुतुब विहार क्षेत्र में एक बड़े अपराध को अंजाम देने की साजिश को नाकाम कर दिया। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छावला थाना पुलिस ने हनुमान चौक, कुतुब विहार के पास जाल बिछाकर तीन अपराधियों शादिक, मंगा उर्फ मांगी और साहिल को पकड़ा, जो एक चोरी की केटीएम ड्यूक मोटरसाइकिल पर सवार थे। तलाशी में उनके पास से एक अमेरिकी निर्मित पिस्तौल, एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ और खुलासे के आधार पर उनके सहयोगी दिलीप को भी पुलिस ने दबोचा और चार अन्य चोरी की बाइक बरामद की। पूछताछ में पता चला कि शादिक सलेमपुर, बुलंदशहर का रहने वाला है। वह हाल ही में जेल से रिहा होकर बाहर आया था। अन्य आरोपितों के खिलाफ भी कई मामले दर्ज हैं।

गोकुलपुरी में मुठभेड़ के बाद हत्या के प्रयास के दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में उत्तर-पूर्वी जिले की गोकुलपुरी पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहे दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक आरोपित के पैर में गोली लगी, वहीं एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। पुलिस ने मौके से दो पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि 20 अगस्त को इंद्रा विहार, चमन पार्क इलाके में मोहम्मद निजाम नामक युवक पर दो बदमाशों ने फायरिंग की थी। इस मामले में गोकुलपुरी थाने में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद से दोनों आरोपित फरार थे। उन्होंने बताया कि 28 अगस्त की रात गश्त के दौरान कॉन्स्टेबल राहुल और मनीष ने एक मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की। पीछा करने पर एक आरोपित भाग निकला, लेकिन पुलिस ने फैजान (22) को दबोच लिया। उसके पास से एक पिस्टल और मोटरसाइकिल बरामद हुई। भागे हुए आरोपी की तलाश में पुलिस टीम ने सुबह करीब 4:30 बजे जोहरीपुर डबल पुलिया इलाके में दबिश दी। इस दौरान आरोपित सैकुल (23) ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। कांस्टेबल रोहित को धक्का देकर घायल करने के बाद उसने दोबारा फायरिंग की। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सैकुल के पैर में गोली लगी।

दिल्ली में एडमिशन फ्रॉड का बड़ा पर्दाफाश, दो आरोपित गिरफ्तार, 1.34 करोड़ बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिले की साइबर पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में चल रहे हाई-प्रोफाइल एडमिशन फ्रॉड सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक करोड़ 34 लाख 66 हजार रुपये नकद, छह मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किया है। आरोपित खुद को एडमिशन कंसल्टेंट बताकर मैनेजमेंट कोटा में दाखिला दिलाने का झांसा देते थे और बल्क एसएमएस सेवाओं के जरिए अभिभावकों तक पहुंचते थे। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह के अनुसार मामला तब सामने आया जब दिल्ली पुलिस की एक महिला हेड कांस्टेबल को आईपी यूनिवर्सिटी में एडमिशन का एसएमएस आया। बातचीत के बाद सूरजमल कॉलेज में दाखिले के नाम पर उनसे 2.3 लाख रुपये ले लिए गए, लेकिन बाद में आरोपित फोन बंद कर और ऑफिस खाली कर फरार हो गए। पुलिस ने तकनीकी जांच और डिजिटल ट्रैकिंग से आरोपितों को गाजियाबाद के इंदिरापुरम से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कुशाग्र श्रीवास्तव (35) और चिन्मय सिन्हा (32) के रूप में हुई है। दोनों पेशेवर तरीके से अभिभावकों से करोड़ों की ठगी कर चुके हैं।

दक्षिण एशियाई देशों के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में मीडिया व शिक्षा की भूमिका पर व्याख्यान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे) में दक्षिण एशियाई देशों के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में मीडिया और शिक्षा की भूमिका विषय पर विशेष व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेपाल के काठमांडू स्थित क्षेत्रीय सार्क शिक्षा केंद्र के जनसंपर्क अधिकारी एवं वरिष्ठ पत्रकार ओपी यादव ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए। यादव ने कहा कि शिक्षा और मीडिया के आपसी सहयोग, सांस्कृतिक-शैक्षिक आदान-प्रदान और संवाद के माध्यम से दक्षिण एशियाई देशों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने महिला शिक्षा, भाषा के प्रौद्योगिकीकरण, रूढ़िवादिता को दूर करने और छात्र केंद्रित शिक्षण केंद्रों की स्थापना जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय का भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने की हर महीने 100 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में हर माह 100 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने की घोषणा की। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण और उनके उद्घाटन को लेकर मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अलावा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद जानकारी दी कि वैसे तो आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण के लिए 100 गज जमीन ही काफी है, लेकिन उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इससे भी बड़े साइज की सरकारी जमीनों को चिन्हित करें और वहां इनका निर्माण करें। उन्होंने कहा कि बड़े आकार के आरोग्य मंदिरों में बड़े हॉल आदि बनाए जाएं ताकि इमरजेंसी के हालात वहां बेड आदि की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने कहा कि बड़े आकार के बनने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पार्किंग आदि की व्यवस्था भी की जा सके। हमारी सरकार पुराने प्राथमिक

चिकित्सा केंद्रों में यह आरोग्य मंदिर खोल ही रही है, साथ ही इन केंद्रों के लिए बड़े स्तर पर नई इमारतें भी बनाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिस तेज गति से आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण चल रहा है, उसके आधार पर हमारी सरकार ने हर माह लगभग 100 आरोग्य मंदिर खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार के विभिन्न विभाग इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए साथ-साथ मेडिकल व नॉन मेडिकल उपकरणों व अन्य सामान की भी खरीदारी कर रहे हैं ताकि इनके उद्घाटन के बाद किसी भी प्रकार की अड़चन पैदा न हो। संबंधित स्टाफ की नियुक्ति को भी प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने राजधानी में इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के परिचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद दिया और बताया कि दिल्ली सरकार को इस मद में केंद्र सरकार से 2400 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है, इसलिए इन आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण व परिचालन मे किसी प्रकार की समस्या नहीं आने वाली। उन्होंने कहा कि इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था का इतना आधुनिक सेटअप रखा जा रहा है कि लोगों को सामान्य व मौसमी बीमारियों के लिए अस्पतालों में न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली मे संचालित हो रहे 67 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और नए आरोग्य मंदिरों में 12 प्रकार की समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य और बुजुर्गों के लिए उपशामक देखभाल भी शामिल हैं।

वोटर अधिकार यात्रा से घबरा गई है भाजपा - सुप्रिया श्रीनेत

एजेंसी

पटना। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी 'वोटर अधिकार यात्रा' से घबरा गई है और इसीलिए हिंसा पर उतर आई है। कांग्रेस नेता का यह बयान उस वक्त आया है, जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में पटना स्थित कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम के बाहर प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कथित पथराव और तोड़फोड़ की गई बातचीत में कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा सत्य और मतदाताओं के अधिकारों के लिए एक शांतिपूर्ण संघर्ष है, जिसे साहस के साथ लड़ा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर हिंसा और नकारात्मकता फैलाने का आरोप लगाया। पटना में कांग्रेस के कार्यालय के बाहर हुई घटना का जिक्र किया। सुप्रिया ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए पथराव और तोड़फोड़ में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को चोटें आईं, जिसमें सिर फटने की घटनाएं भी शामिल हैं। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि भाजपा वोटर अधिकार यात्रा के बढ़ते जन समर्थन से घबरा गई है और इसलिए षड्यंत्र रच रही है।

सुप्रिया ने कहा कि कांग्रेस अहिंसा के मार्ग पर चल रही है और उनकी मुहिम रंग लाएगी। उन्होंने बिहार को क्रांतिवीरों की धरती बताते हुए कहा कि भाजपा हिंसा के जरिए बिहार की सांस्कृतिक गरिमा का अपमान कर रही है। वहीं पीएम मोदी पर हुई विवादित टिप्पणी पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि इन्हीं के एजेंट हमारी सभा में घुसकर गलत नारे लगाते हैं। फिर यही लोग इसे मुद्दा बनाते हैं, ताकि वोटर अधिकार यात्रा से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। ये घबराए हुए हैं और अब हमारे ऑफिस में गुंडागर्दी करने आ गए।

दिल्ली में 'बदरिया : ए मॉनसून फेयरवेल फेस्टिवल' का आयोजन 1 सितंबर को

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून की विदाई को एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाने के लिए दिल्ली में पहली बार 'बदरिया : ए मॉनसून फेयरवेल फेस्टिवल' का आयोजन किया जा रहा है। यह अनूठा उत्सव माता चकेरी देवी फाउंडेशन और दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और भाषा विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसमें दिल्ली सरकार की मैथिली-भोजपुरी अकादमी सहयोगी भूमिका निभा रही है। यह कार्यक्रम 1 सितंबर 2025 को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में शाम 4 बजे से आरंभ होगा। यह जानकारी शुक्रवार दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में दी गई है।

विज्ञप्ति के मुताबिक, इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि होंगी और कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही अन्य मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को भी इस भव्य सांस्कृतिक उत्सव में आमंत्रित किया गया है।

फेस्टिवल में पद्मश्री मालिनी अवस्थी अपनी थुमरी, कजरी और

> इस फेस्टिवल के माध्यम से सावन-भादो के पारंपरिक गीत, लोक नृत्य और शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां होंगी, जो शहरी दर्शकों को ग्रामीण जीवन, शिल्पकला और लोक परंपराओं से जोड़ेंगी।

अन्य लोक धुनों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। समृद्धि पाठक और सान्वी पाठक मैथिली लोकगीत गाएंगी, जबकि वाद्य यंत्रों पर रिम्पा शिव तबला, वैष्णवी जोशी बांसुरी और मेघा राउत सितार की प्रस्तुतियां देंगी। ये प्रस्तुतियां बिहार और उत्तर प्रदेश की लोक परंपरा और संगीत की गहराई को जीवंत करेंगी।

'बदरिया' की प्रेरणा भारतीय परंपरा में मानसून के सांस्कृतिक महत्व से ली गई है। कालिदास के 'मेघदूत' जैसे साहित्यिक कृतियों से लेकर लोक गीतों तक मानसून हमेशा खुशी, विरह और सृजन का प्रतीक रहा है। इस फेस्टिवल के माध्यम से सावन-भादो के पारंपरिक गीत, लोक नृत्य और शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां होंगी, जो शहरी दर्शकों को ग्रामीण जीवन, शिल्पकला और लोक परंपराओं से जोड़ेंगी।यह उत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। दिल्ली जैसे व्यस्त महानगर में यह कार्यक्रम लोगों को प्रकृति, संगीत और परंपरा से जोड़ने का माध्यम बनेगा। आयोजकों का विश्वास है कि 'बदरिया' जैसे फेस्टिवल भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के नीचे 204.57 पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे निशाने से नीचे 204.57 पर पहुंचा गया। पहाड़ी राज्यों में बारिश और हरियाणा के हथिनी कुंड बांध से लगातार पानी छोड़ जाने की वजह से यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 को पार करके 205.45 पहुंचा गया। इसके बाद गुरुवार की रात से यमुना का जलस्तर कम होना शुरू हो गया। यमुना का जलस्तरनौ बजे 204.65 रहा, जो शाम पांच तक घटकर 204.57 आ गया। हालांकि यमुना का जलस्तर अब भी चेतावनी के 204.06 स्तर से ऊपर है। दिल्ली सरकार के सभी विभाग 24 घंटे सतर्क रहकर काम कर रहे हैं। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। राहत और बचाव कार्यों के लिए 14 अहम जगहों पर पहले ही नावों की तैनाती की गई है। साथ ही यमुना का पानी मुख्य सड़कों तक न पहुंचे और ट्रैफिक प्रभावित न हो, इसके लिए सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश सरकार ने दिए हैं। साथ ही सभी रेगुलेटर्स को पूरी तरह चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा डीएम ईस्ट के कार्यालय में

पहले ही 'सेंट्रल फ्लड कंट्रोल रूम' की शुरुआत कर दी गई है। यह केंद्र अब पूरे दिल्ली के लिए एक केंद्रीय समन्वय केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है और सभी सिविक एजेंसियों के प्रतिनिधि यहां 24×7 तैनात हैं। इस साल शहर में सेंट्रल कंट्रोल रूम सहित 15 वायरलेस स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं, जो यमुना के जलस्तर सहित जलभराव वाले इलाकों की हर समय निगरानी कर रहे हैं। साथ ही राहत और बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरणों की जांच पूरी कर ली गई है और संबंधित विभागों ने यमुना खादर क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं। उल्लेखनीय है कि 19 अगस्त को यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर पहुंचा था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तब यमुना बाजार स्थित बाढ़ग्रस्त बस्ती में नंगे पांव बाढ़ के पानी में उतर गई थीं।

दिल्ली विवि ने दिया ग्रीन कैम्पस-क्लीन कैम्पस का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय में ग्रीन कैम्पस-क्लीन कैम्पस की शुरुआत की गई। इस अभियान में साउथ कैम्पस के आत्माराम के साथ श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस, आर्यभट्ट महाविद्यालय, रामलाल आनंद महाविद्यालय और मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय ने हिस्सा लिया। सभी महाविद्यालयों के एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के विद्यार्थी भी इसमें शामिल हुए।

अभियान की शुरुआत करते हुए दिल्ली विवि के कुलानुशासक प्रो. मनोज कुमार सिंह ने कहा कि जिस तरह पर्यावरण और प्रकृति की दशा बिगड़ती जा रही है। ऐसे में सभी का यह फर्ज बनता है कि उन सभी कारणों को कम करने की ओर बढ़ें जो हमारे आसपास की अस्वच्छता का कारण है। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. योगेश सिंह के निर्देशानुसार यह आयोजन किए जा

रहे हैं। डीसीपी साउथ कैम्पस ऐश्वर्या सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि स्वच्छता और हरियाली हमारे स्वास्थ्य और भविष्य के लिए जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को वोट के अधिकार का महत्व बताते हुए कहा कि सभी को इसके प्रति सचेत रहना चाहिए और अपने वोट रूपी अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए।

आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ज्ञानतोष झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनसीसी और एनएसएस समेत सभी के लिए राष्ट्र प्रथम है। आप अपने आसपास स्वच्छ रखेंगे तो हरियाली देखने को मिलेगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीसी संयोजक मेजर प्रो. संजय कुमार ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह के निर्देशानुसार इस अभियान की पावन शुरुआत की गई है, जिसका नाम दिया गया है ग्रीन कैम्पस- क्लीन कैम्पस। स्वच्छता एक जीवनशैली है, इसे हम सभी को अपनाना होगा। एनसीसी कैडेट के रूप में हमारा कर्तव्य है कि अपने परिसर को स्वच्छ और हरा-भरा रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। यह पहल हमें पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और उसे निभाने का अवसर देती है। रैली के दौरान दिल्ली विवि के ज्वाइंट प्राक्टर प्रो. कोटेश्वर राव, डिप्टी प्रॉक्टर डॉ. सौरभ, एआरएसडी के एनसीसी ऑफिसर कैप्टन प्रो. संदीप, लेफ्टिनेंट डॉ कामेश्वर प्रसाद शर्मा, लेफ्टिनेंट डॉ चन्द्रशेखर निषाद, आरएलएसी की सीटीओ साक्षी, एनएसएस ऑफिसर प्रो. कान्हाराम, डॉ अनुराग शर्मा, डॉ. गीता देवी, डॉ. संदीप कुमार, एसएचओ साउथ रवींद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री की मां लेकर जिस भाषा का प्रयोग किया गया वह निंदनीय है : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता पर अमर्यादित भाषा के प्रयोग की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बिहार में चल रही कांग्रेस की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की माता को लेकर जिस भाषा का प्रयोग किया गया वह निंदनीय है और कांग्रेस की मानसिकता को दिखाता है।वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि बिहार में राहुल गांधी अपनी वोटर अधिकार यात्रा की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी की 100 वर्षीय दिवंगत माता के लिए जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया गया वह बहुत ही बेकार की राजनीति है। इसके लिए कांग्रेस और आरजेडी को देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की माता जो हमारे बीच नहीं रहीं, उनके लिए कटुता भरे शब्दों का प्रयोग करना उस पार्टी के लिए शर्मनाक है जो अपने आप को भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब गाली-गलौच वाली पार्टी बन गई है, जिसे भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। सचदेवा ने कहा कि बिहार एक ऐसा राज्य है जहां से नीतिवान चाणक्य और भगवान बौद्ध हुए। आज उस धरती से प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणी करना गलत है और इसका जवाब बिहार की जनता आने वाले चुनाव में करारी हार के साथ कांग्रेस गठबंधन को देगी।

भाजपा सांसदों ने विद्यार्थियों को 'खेलो इंडिया' की भावना को दिनचर्या में लाने के लिए किया प्रेरित

नई दिल्ली। दिल्ली के भाजपा सांसदों ने आज राष्ट्रीय खेल दिवस खेल प्रतियोगिताओं में पहुंचकर विद्यार्थियों को सम्मानित किया। सांसदों ने विद्यार्थियों को 'खेलो इंडिया' की भावना को प्रत्यक्ष रूप से दिनचर्या में लाने के लिए प्रेरित किया। नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज राष्ट्रीय खेल दिवस पर केंद्रीय विद्यालय नंबर-2, दिल्ली कैंट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। उन्होंने यहां राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। स्वराज ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों के साथ फिटनेस की शपथ ली, जिसमें शारीरिक रूप से फिट, मानसिक रूप से सशक्त और भावनात्मक रूप से संतुलित जीवन जीने तथा परिवार एवं मित्रों को प्रतिदिन खेल एवं फिटनेस गतिविधियों के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को एक घंटा खेल मैदान में सक्रिय सहभागिता 'खेलो इंडिया' की भावना को प्रत्यक्ष रूप से दिनचर्या में लाने के लिए प्रेरित किया। पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत

सहरावत ने आज अशोक नगर सर्वोदया बाल विद्यालय में महिला हॉकी लीग की शुरुआत कर अपनी लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। यह जानकारी उन्होंने एक्स पर साझा की। सहरावत ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बेटियों को खेल के मैदान से जोड़ना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। खेलों के माध्यम से न सिर्फ शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना भी मजबूत होती है। दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की स्मृति और खेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने यहां प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने बच्चों को खेल का महत्व और प्रधानमंत्री नरेन्द्र के आह्वान पर स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की बात कही। बिधूड़ी ने प्रधानमंत्री मोदी के खेल, योग, जैविक खेती और तेल के कम प्रयोग से हर देशवासी को स्वस्थ रहने के संदेश को यहां बच्चों तक पहुंचाया।

उप महापौर ने गिरि नगर में स्केटिंग पार्क के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के उप महापौर जय भगवान यादव ने कालकाजी स्थित गिरि नगर में स्केटिंग पार्क के विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को बेहतर मनोरंजन सुविधाएं प्रदान करना है। इस दौरान उपमहापौर जय भगवान यादव ने कालकाजी के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां निवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके साथ पार्षद एवं मध्य क्षेत्र की अध्यक्ष योगिता सिंह, दिल्ली भाजपा के कई नेता और दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उप महापौर ने क्षेत्र में स्वच्छता की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को चल रहे दिल्ली की कूड़े से आजादी- महा स्वच्छता अभियान के तहत हर गली और कॉलोनी में सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यादव ने अवैध अतिक्रमण से संबंधित मुद्दों का संज्ञान लिया और अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गुरुग्राम स्पेशल कोर्ट का एसआरएस ग्रुप के भगोड़े प्रमोटरों के खिलाफ एक्शन, नोटिस जारी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम की विशेष अदालत (पीएमएलए) ने एसआरएस ग्रुप की विभिन्न कंपनियों के प्रमोटरों और निदेशकों (जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल और प्रवीण कुमार कपूर) को नोटिस जारी किया है। विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए), 2018 के तहत एसआरएस ग्रुप की कंपनियों के प्रमोटरों और निदेशकों को यह नोटिस जारी किया है।

ईडी के अनुसार, यह नोटिस धारा 4, एफईओए, 2018 के तहत दायर एक आवेदन के आधार पर जारी किया गया है, जिसमें इन आरोपियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने और उनके द्वारा नियंत्रित कंपनियों, सहयोगियों और उनकी 212.73 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने की मांग की गई है। एसआरएस ग्रुप रियल एस्टेट और वित्तीय व्यवसाय में सक्रिय था। इन प्रमोटरों पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, संपत्ति का आपराधिक दुरुपयोग और आपराधिक साजिश जैसे अपराधों का आरोप है, जिसमें उन्होंने होमबायर्स, प्लॉट खरीदारों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को

ठगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा पुलिस, दिल्ली ईओडब्ल्यू और सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा दर्ज लगभग 81 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। इन एफआईआर में भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत अनिल जिंदल, जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल, प्रवीण कुमार कपूर और एसआरएस ग्रुप के अन्य निदेशकों तथा प्रमुख कर्मचारियों के खिलाफ आरोप लगाए गए थे। इन लोगों ने निवेश के नाम पर जनता और बैंकों से लगभग 2200 करोड़ रुपए की भारी राशि इकट्ठा की और हाई रिटर्न का वादा करके निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की। ईडी की जांच में मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध में शामिल व्यक्तियों और कंपनियों की पहचान की गई। जांच में पाया गया कि जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल और प्रवीण कुमार कपूर मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल थे, जिसके बाद 2022 में इस मामले में अभियोजन शिकायत दर्ज की गई। ईडी ने अपराध से प्राप्त संपत्तियों की पहचान की और अब तक इस मामले में 2215.98 करोड़ रुपए की संपत्तियों को कुर्क किया गया है। ईडी की जांच से पता चला है कि तीनों आरोपी (जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल और प्रवीण कुमार) भारत छोड़ चुके हैं, जो जॉर्जिया, दुबई और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रह रहे हैं। ये आरोपी आपराधिक मुकदमे का सामना न करने के लिए भारतीय न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर रहकर कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं। सभी भगोड़ों के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट, लुकआउट सर्कुलर और रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है। इससे पहले, 6 जून 2025 को विशेष अदालत ने उन्हें भगोड़ा अपराधी घोषित किया था। वर्तमान में जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल और प्रवीण कुमार कपूर को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने और उनकी संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया गुरुग्राम की विशेष अदालत में चल रही है।

अभाविप के संभावित उम्मीदवारों ने दिल्ली विवि में शुरू की प्री-कैंपेनिंग

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के संभावित उम्मीदवार शुक्रवार से विभिन्न कॉलेजों में प्री-कैंपेनिंग के जरिए छात्रों से संवाद कर रहे हैं। इस संबंध में अभाविप दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने बताया कि यह प्री-कैंपेनिंग छात्रों के बीच संगठन की पिछले एक साल की उपलब्धियों को साझा करने और उनकी समस्याओं को समझने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्रसंघ चुनाव छात्रों के लिए एक महापर्व है। इस दौरान उम्मीदवार कॉलेजों में जाकर अभाविप नीत डूसू के कार्यों को छात्रों तक पहुंचा रहे हैं, साथ ही उनकी अपेक्षाओं के आधार पर नई कार्ययोजना तैयार करने के लिए मसौदा बना रहे हैं। सार्थक शर्मा ने कहा कि प्री-कैंपेनिंग की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें 11 संभावित उम्मीदवार विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में जाकर छात्रों से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान वे डूसू के पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों को बताने के साथ-साथ छात्रों की समस्याओं और जरूरतों को सुन रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया से प्राप्त जानकारी के आधार पर संगठन एक नया मसौदा तैयार करेगा, जो छात्र हितों को ध्यान में रखकर भविष्य की योजनाओं को और प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह कैंपेनिंग नामांकन के दिन तक जारी रहेगी और 11 सितंबर को केंद्रीय पैनल के चार अंतिम उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। अभाविप का कहना है कि यह प्री-कैंपेनिंग न केवल संगठन की नीतियों को छात्रों तक पहुंचाने का माध्यम है, बल्कि यह छात्रों की आवाज को सुनने और उनकी अपेक्षाओं को समझने का भी एक मंच है। संगठन का दावा है कि उनकी नीतियां और कार्य योजनाएं छात्रों के बीच लोकप्रिय हैं और वे इस बार भी डूसू चुनाव में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, गुरुवार को अभाविप ने अपने 11 संभावित उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। इसमें दीपिका झा, भूमिका चौहान, यश डबास, आर्यन मान, रोहित सिंह, इशू मौर्य, लक्ष्य राज सिंह, प्रबल प्रताप सिंह, गोविन्द तंवर, नितिन तंवर और कुणाल चौधरी शामिल हैं।

संपादकीय

ट्रंप का आर्थिक हथियार 50 पर्सेंट टैरिफ बनाम मोदी का प्लान 40

केंद्र सरकार ने प्रभावित सेक्टरों की पहचान की है व उनके लिए क्रेडिट सपोर्ट, टैक्स रिबेट और एक्सपोर्ट सब्सिडी जैसी राहत योजनाएँ तैयार की जा रही हैं। अमेरिका ने भारत के लिए एक दरवाजा बंद किया है तो भारत ने 40 और दरवाजे खोलकर अपने लिए नए रास्ते बनाने की तुरंत रणनीति बनानी शुरू कर दी है गोंदिया-वैश्विक व्यापार जगत को अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर हिला दिया है। उनके नए टैरिफ आदेशों ने भारत समेत कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। ट्रम्प का सीधा संदेश यही है कि अमेरिकी बाजार को अब विदेशी उत्पादों से बचाया जाएगा और अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत हर उस देश पर शुल्क लगाया जाएगा, जो अमेरिकी कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा खड़ी करता है।यह विषय बेहद अहम और गहन है क्योंकि इसमें भारत-अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ युद्ध, मोदी सरकार की रणनीति, आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास और अमेरिका की वीजा नीति के प्रभाव सब कुछ शामिल है।इस कदम से भारत के आईटी सेक्टर, फार्मा, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यातक वर्ग पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे समय में भारतीय प्रधानमंत्री ने जो रणनीति तैयार की है,उसे मीडिया और नीति- विशेषज्ञों ने प्लान 40 का नाम दिया है।यह योजना केवल अमेरिका की टैरिफ चुनौती का जवाब नहीं बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करने का खाका भी है।वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में इस समय ट्रंप का 50 पर्सेंट टैरिफऔर मोदी का प्लान 40सबसे चर्चित विषय बन चुका है। 27 अगस्त 2025 से अमेरिका ने भारत पर 50 पर्सेंट का टैरिफ लागू कर दिया है, जिसका सीधा असर भारतीय टेक्सटाइल,फार्मा,ऑटोकंपोनेंट्स और आईटी सर्विसेज सेक्टर पर पड़ा है।अमेरिकीराष्ट्रपति ने यह कदम अचानक नहीं उठाया बल्कि पिछले कई महीनों से वे लगातार भारत को चेतावनी दे रहे थे कि अगर भारत अमेरिकी हितों की अनदेखी करेगा तो उसे आर्थिक हथियार का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि भारत को सबक सिखाना आवश्यक है क्योंकि भारत ने रूस के साथ तेल व्यापार जारी रखा और साथ ही यूरोप तथा एशिया में नए बाजार खोजकर अमेरिकी दबाव की अनदेखी की।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस टैरिफ का सबसे अधिक असर उन इंडस्ट्रीज पर पड़ा है जिनका बड़ा हिस्सा अमेरिकी बाजार पर निर्भर है। टेक्सटाइल और गारमेंट्स उद्योग,जो अपने निर्यात का लगभग 30 पर्सेंट अमेरिका भेजते हैं, अब मुश्किल में हैं। इसी तरह भारतीय फार्मा इंडस्ट्री, जो जेनेरिक दवाइयों का सबसे बड़ा सप्लायर है,उसे भी झटका लगा है।भारतीय आईटीकंपनियां और सॉफ्टवेयर इंजीनियर लंबे समय से अमेरिका में सेवाओं के क्षेत्र में नेतृत्व करते रहे हैं। लेकिन टैरिफ और वीजा नीतियों ने उनके भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऑटो और इंजीनियरिंग गुड्स सेक्टर भी इससे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

साथियों बात अगर हम प्लान 40 को समझने की करें तो, भारत ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए तुरंत रणनीति बनानी शुरू कर दी है। केंद्र सरकार ने प्रभावित सेक्टरों की पहचान की है और उनके लिए क्रेडिट सपोर्ट, टैक्स रिबेट और एक्सपोर्ट सब्सिडी जैसी राहत योजनाएं तैयार की जा रही हैं। टेक्सटाइल उद्योग के लिए यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में नए ग्राहकों की तलाश की जा रही है। फार्मा इंडस्ट्री को रूस, मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों में स्वास्थ्य मिशनों के जरिए नए बाजार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आईटी सेक्टर के लिए एशियाई देशों, गल्फ और यूरोप में डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। वहीं ऑटो सेक्टर को मेक इन इंडिया और घरेलू ईवी पॉलिसी के जरिए घरेलू बिक्री और उत्पादन बढ़ाने का अवसर दिया जा रहा है।सरकार का स्पष्ट संदेश है कि भारत किसी एकदेश पर निर्भर नहीं रहेगा और निर्यात का दायरा कई गुना विस्तारित किया जाएगा। इस पूरी रणनीति को प्लान 40 कहा जा रहा है।सरकार का यह प्लान भारत को 40 देशों के साथ नए व्यापारिक गठबंधन औरसमझौते कराने पर आधारित है।

इसके अंतर्गत यूरोपियन यूनियन के साथ एफटीए की रफ्तार तेज की जा रही है। खाड़ी देशों,विशेषकर यूएई और सऊदी अरब के साथ ऊर्जा और तकनीकी समझौते किए जा रहे हैं।अफ्रीकी महाद्वीप में हेल्थकेयर, फार्मा और टेक्सटाइल मार्केट पर कब्जा जमाने की योजना है। लैटिन अमेरिका और कैरिबियन देशों में ऑटो पार्ट्स और इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात बढ़ाया जाएगा। साथ ही रूस और चीन के साथ ऊर्जा और रक्षा व्यापार को और मजबूत किया जाएगा। यानी अमेरिका अगर भारत के लिए दरवाजे बंद करता है तो भारत 40 और दरवाजे खोलकर अपने लिए नए रास्ते बनाएगा। साथियों बात अगर हम वर्तमान परिस्थितियों को हमारे मिशन आत्मनिर्भर भारत के प्रभाव की करें तो,भारत का आत्मविश्वास इस बार पहले से कहीं अधिक है क्योंकि 2019 के बाद से भारत ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिए अपनी इंडस्ट्रीज को मजबूत किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं को लागू किया गया, एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन मिला और स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया गया। सरकार का मानना है कि टैरिफ हमें चुनौती जरूर देंगे लेकिन यही चुनौती हमें स्वदेशी उत्पादन और नए बाजार पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर भी प्रदान करेगी।पीएम ने हाल ही में अपने संबोधन में कहा कि भारत किसी के टैरिफ से नहीं डरता, हम आत्मनिर्भर हैं और दुनियाँ को भारत पर निर्भर रहना होगा।

साथियों बात अगर हम अमेरिका की एच1बी वीजा नीति को भी सख्त करने की योजना की करें तो अमेरिका ने केवल टैरिफ लगाकर ही भारत को चुनौती नहीं दी बल्कि उसने वैकल्पिक प्लान के तहत एच 1बी वीजा नीति को भी सख्त करने की योजना बनाई है। नई शर्तों के अनुसार अब केवल वही लोग एच1बी वीजा प्राप्त कर सकेंगे जो अमेरिका में कम से कम 50 लाख डॉलर का निवेश करेंगे। इसका सीधा असर भारतीय आईटी इंजीनियरों, छात्रों और पेशेवरों पर पड़ेगा। भारत से हर साल लाखों युवा अमेरिका जाते हैं लेकिन अब उनके लिए यह रास्ता लगभग बंद हो गया है। हालांकि इस संबंध में मेरा मानना है कि अमेरिका यूं ही एच1बी वीजा नहीं देता वह भारतीय उच्च टैलेंट को आकर्षित करने के लिए एच1बी वीजा शुरू किया है हम जानते हैं कि भारतीय टैलेंट की अमेरिका में बहुत खास जरूरत है। मेरा तर्क है कि वहां टैलेंट की कमी है और इसलिए उच्चस्तर के टैलेंट की सबसे अधिक जरूरत है,एक रिपोर्ट के अनुसार एच1बी वीजा वाले हाईस्किल्ड भारतीय होते हैं, अमेरिकन कर्मचारियों से कहीं ज्यादा सैलरी एच1बी वीजा वालों को मिलती है,वहां एच1बी वीजा वालों को एवरेज 108000 अमेरिकन डॉलर मिलते हैं,लेकिन अमेरिकी निवासियों को 45760 अमेरिकन डॉलर मिलते हैं,अगर हाईस्किल्ड टैलेंट की जरूरत अमेरिका को नहीं होती तो क्यों इतनी ज्यादा सैलरी देकर वे भारतीयों को बुलाते? लेकिन अब निवेश की शर्त स्पष्ट रूप से यह दिखाती है कि यह भारत पर राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति है।

साथियों बात अगर हम इन कदमों से भारत- अमेरिका रिश्तों पर गहरा असर पड़ने की करें तो,पहले से ही रूस-भारतसंबंधों को लेकर अमेरिका असहज था, और अब टैरिफ व वीजा पॉलिसी ने दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है।भारत ने अमेरिका पर निर्भरता घटाने का ऐलान किया है, वहीं अमेरिका ने भारतीय कंपनियों पर टैरिफ और वीजा का बोझ डाल दिया है। इसके जवाब में भारत ने 40 देशों के साथ नए व्यापारिक गठबंधन शुरू किए हैं। साफ है कि आने वाले समय में भारत- अमेरिका रिश्ते सहयोग और टकराव के मिश्रण से गुजरेंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आज का भारत 1991 वाला भारत नहीं है। उस समय भारत आईएमएफ पर निर्भर था लेकिन आज भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ट्रंप का 50 पर्सेंट टैरिफ भारत को चुनौती देगा लेकिन भारत ने प्लान 40 के जरिए यह संदेश दिया है कि भारत झुकेगा नहीं बल्कि विकल्प तलाशेगा। अमेरिका चाहे तो एच1बी वीजा सख्त करे या टैरिफ बढ़ाए।

ऑनलाइन गेमिंग पर प्रभावी अंकुश

शिशिर शुक्ला

आखिरकार ऑनलाइन गेमिंग के प्रचार और विनियमन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की त्वरित एवं दूरदर्शितापूर्ण कार्यवाही का ही नतीजा है कि ऑनलाइन गेमिंग बिल के रूप में एक प्रभावी अंकुश उस जाल पर लग गया है, जो लाखों करोड़ों युवाओं एवं किशोरों को अपनी गिरफ्त में लिए हुए था। न जाने कितने युवाओं ने केवल और केवल इस ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के भरोसे अल्प समय में ही अरबपति बनने का सपना संजो रखा था। लेकिन शायद वे सभी इस बात से अनभिज्ञ हैं कि यह एक ऐसा जंजाल है, जिसमें अगर एक बार फंस गए तो फिर बाहर निकलना बेहद मुश्किल हो जाता है। नए ऑनलाइन गेमिंग कानून में यह प्रावधान किया गया है कि जो भी कंपनियां इस तरह की सेवाएं प्रदान करेंगी, उन पर तीन वर्ष की कैद अथवा एक करोड़ रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। ऑनलाइन गेमिंग के प्लेटफार्म का विज्ञापन अथवा प्रचार करने पर भी दो साल की सजा एवं पचास लाख रुपए तक के अर्थदंड का प्रावधान किया गया है। कानून की प्रभाविता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बहुत सारी ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने देश में चलाए जा रहे अपने मनी गेमिंग के नेटवर्क को समेटकर किनारा कर लिया है। कानून के अंतर्गत यह भी प्रावधान किया गया है कि जो इस कानून का उल्लंघन करेगा उस पर भी तीन वर्ष की कैद एवं एक करोड़ का जुमार्ना लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऐसे बैंक जो इस संबंध में लेनदेन की प्रक्रिया से जुड़े होंगे, उन पर भी सख्ती बरती जाएगी। ऑनलाइन गेमिंग से होने वाली क्षति से संबंधित आंकड़ों पर अगर दृष्टिपात किया जाए तो निस्संदेह बहुत ही चौंकाने वाले तथ्य सामने आते हैं। उदाहरण के तौर पर, अभी तक देश में 1800 गेमिंग स्टार्टअप चल रहे थे। वैश्विक स्तर पर यदि बात करें तो ऑनलाइन गेमिंग का 3240 करोड़ का वैश्विक बाजार मौजूद है। इसके अतिरिक्त 45 करोड़ लोग ऑनलाइन गेमिंग से प्रतिवर्ष नुकसान में चले जाते हैं। वहीं खास बात यह है कि विगत पांच वर्षों में सरकार ने गेमिंग से 2600 करोड़ रुपए कमाए हैं। जाहिर सी बात है कि ऑनलाइन गेमिंग पर अंकुश लगने से सरकार की अर्थव्यवस्था को भी नुकसान होगा। किंतु संभवतः यह इतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि युवाओं एवं किशोरों का भविष्य। बिल के पूर्णतया अमल में आ जाने पर लोग गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से पैसे से जुड़े हुए किसी भी ऑनलाइन गेमिंग एप को डाउनलोड नहीं कर पाएंगे। आज की स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में फंसकर लोग प्रतिवर्ष बीस हजार करोड़ का नुकसान उठाते हैं। इतनी बड़ी मात्रा में आर्थिक क्षति का दुष्परिणाम यह होता है कि लोग या तो मानसिक अवसाद की दशा में चले जाते हैं अथवा आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठाने पर विवश हो जाते हैं। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा गेमिंग डिसऑर्डर के नाम से एक नई बीमारी का वर्गीकरण किया गया है जो अंतिम रूप से कहीं न कहीं चिंता, मानसिक अवसाद, अनिद्रा एवं समाज से अलग होने का कारण बनती है। स्पष्ट सी बात है कि जब अध्ययन एवं कैरियर निर्माण के विषय में सोचने के स्थान पर किशोर एवं युवा वर्ग ऑनलाइन गेमिंग के

भंवरजाल में फंस जाएगा, तो कहीं न कहीं वह लक्ष्य से भटकते हुए ऐसी दिशा में चला जाएगा जो उसे शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक क्षरण की ओर अग्रसर करेगी। कितनी शर्मनाक बात है कि आज का युवा ऑनलाइन गेमिंग की लत के दुष्प्रभाव की वजह से अपनी जीवन लीला को भी समाप्त कर ले रहा है। यह बड़ी विडंबनापूर्ण बात है कि एक तरफ हम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सतत रूप से आगे बढ़ रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ देश का युवावर्ग ऑनलाइन गेमिंग जैसी बुरी लत में फंसकर अपना एवं अपने परिवार का नुकसान करने पर तुला हुआ है। देश का युवा यदि बर्बाद होता है तो उसका सीधा सा अर्थ है कि हम भविष्य के मानव संसाधन एवं उसकी गुणवत्ता को खत्म कर रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां युवाओं को पहले आकर्षक तरीके से झांसा देती हैं और अपने जाल में फंसाती हैं। उसके बाद वे प्रत्येक गेम के लिए ग्राहकों से सब्सक्रिप्शन शुल्क वसूलती हैं, और इसके बाद आर्थिक दोहन का सिलसिला शुरू हो जाता है जो युवाओं की बबार्दी पर जाकर ही खत्म होता है। विगत वर्ष प्रवर्तन निदेशालय ने एक गेमिंग कंपनी पर छापेमारी कर 68 करोड रुपए की राशि जब्त की थी। कंपनी पर आरोप था कि उसने अनेक युवाओं से धोखाधड़ी करके पैसा लिया एवं उस धन को विदेश भेजा। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने 2850 करोड़ रुपए गेमिंग ऐप के माध्यम से जुटाए और उसमें से 2265 करोड़ रुपए भारत के बाहर भेज दिए। एक और बात जो बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण है, वो यह कि बड़ी-बड़ी हस्तियां जिनमें अनेक फिल्मी सितारे भी शामिल हैं, इन ऑनलाइन गेमिंग एप्स का प्रचार करते हैं। नतीजा यह होता है कि युवा एवं किशोर वर्ग उनकी तरफ बड़ी तेजी से आकर्षित होता है। नए कानून में यह प्रावधान किया गया है कि जो लोग गेम खेल रहे हैं एवं दुर्भाग्यवश नुकसान उठा रहे हैं, उन्हें पीड़ित मानते हुए उन पर किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी। कार्यवाही केवल और केवल उन पर होगी जो खेलने के लिए मंच उपलब्ध करा रहे हैं अथवा लेनदेन संबंधी प्रक्रिया में शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में ऑनलाइन गेमिंग अकाउंट से जुड़ी हुई 84 हजार लोगों की जानकारी वर्ष 2024 में लीक हुई है। यह दावा साइबर सिक्योरिटी कंपनी कैस्परस्की ने किया है।

रिपोर्ट बताती है कि पूरे विश्व में सर्वाधिक डाटा थाईलैंड एवं सबसे कम डाटा सिंगापुर के लोगों का चोरी हुआ है। आंकड़ों के अनुसार एशिया प्रशांत क्षेत्र में 180 करोड़ गेमर हैं। जाहिर सी बात है कि एक बड़ी मात्रा में डाटा इन प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है। हैकर्स इन्हीं प्लेटफॉर्मों के जरिए डाटा चोरी करते हैं और उसके बाद गंभीर आर्थिक धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम देते हैं।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि विगत वर्ष कुल 1.1 करोड़ गेमिंग अकाउंट का डाटा लीक हुआ है। वर्ष 2004 के बाद से हर दिन 4.67 लाख वायरस हमले हो रहे हैं। निश्चित रूप से ये आंकड़े चिंताजनक हैं। ऑनलाइन गेमिंग एक प्रकार से युवाओं का शौक बनती जा रही है। युवा वर्ग अपना बेशकीमती समय एक ऐसी लत के पीछे बर्बाद कर दे रहा है जिसका कोई परिणाम निकलने वाला नहीं है। खास बात तो यह है कि युवावर्ग शायद इस बात से भी अनभिज्ञ है कि खेल में उसका सामना बड़ी कुशलता के साथ प्रोग्रामिंग किए गए सॉफ्टवेयर के साथ होता है। सॉफ्टवेयर की खासियत यह है कि वह शुरूआत में युवाओं को विजय श्री का मुंह दिखाता है और धीरे-धीरे पराजय के गड्ढे में धकेल देता है। खेल के आरंभ में ही छोटी सी जीत का चस्का लग जाने से युवा हार न मानने जैसा कदम उठाता है और ऐसा करते-करते वह गंभीर नुकसान की चपेट में आ जाता है। एक बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि केवल और केवल ऑनलाइन गेमिंग बिल के अस्तित्व में आ जाने मात्र से ही समस्या का हल होने वाला नहीं है। इसके लिए युवाओं एवं किशोरवर्ग की विशेष काउंसलिंग करने की भी आवश्यकता है ताकि उन्हें खुद यह आभास हो कि क्या गलत है और क्या सही। निस्संदेह आज डिजिटल क्रांति का युग है। शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय आदि प्रत्येक क्षेत्र डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हो चुका है। ऑनलाइन गेमिंग जैसे व्यसन इस डिजिटल क्रांति का ही एक पार्श्वप्रभाव हैं।

डिजिटल तकनीकी के इस युग में युवाओं की ऊर्जा, समय एवं रचनात्मकता को सही दिशा में मोड़कर विकास के लिए प्रेरित करना अपने आप में एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। रोमांच की लालसा में एक अल्प अवधि का ऑनलाइन गेम युवाओं के कितने घंटे लील ले लेता है, उन्हें खुद भी नहीं पता चल पाता। आज आवश्यकता है कि शिक्षा प्रणाली में भी इस तरह से सकारात्मकता का समावेश किया जाए कि युवावर्ग पथभ्रमित होने से बच सके। इसके अतिरिक्त समाज, परिवार एवं राष्ट्र को संयुक्त रूप से कदम आगे बढ़ाते हुए किशोरों एवं युवाओं को दिशाहीनता की तरफ मुड़ने से बचाना होगा। ऑनलाइन गेमिंग विधेयक निश्चित रूप से युवाओं के अनर्गल शौक पर प्रभावी अंकुश लगाने का एक बेहतरीन माध्यम साबित होगा। यह उन कंपनियों के मुंह पर भी एक जोरदार तमाचा है जो युवाओं को पथभ्रष्ट करने का उद्देश्य लेकर ही अस्तित्व में आती हैं एवं अंततः उनको बर्बाद करके ही छोड़ती हैं।

बदलती जीवनशैली और मोटापे की समस्या !

सुनील कुमार महला

पहले की तुलना में आज मनुष्य की जीवनशैली में आमूलचूल परिवर्तन आए हैं। आज मनुष्य की जीवनशैली इतनी व्यस्त हो गई है कि मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए भी समय नहीं बचा है। कहा गया है स्वास्थय ही मनुष्य का सबसे बड़ा धन है। लेकिन आज मनुष्य अपने स्वास्थ्य का सही तरीके से ख्याल नहीं रख पा रहा है। घटते जंगलों के कारण बढ़ते प्रदूषण, औधोगिकीकरण के बीच आज मनुष्य को अनेक बीमारियां घेर रहीं हैं। न हवा शुद्ध रही है और न मिट्टी और जल। चहुंओर प्रदूषण का बोलबाला है, ऊपर से मनुष्य का एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप , इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स और अन्य इलेक्ट्रानिक संसाधनों पर अधिक समय बिताना, बाहर का खाना विशेषकर जंक फूड और फास्ट फूडपर निर्भरता, शहरों में देर रात सोना और सुबह देर से जागना, पारिवारिक अलगाव, एकाकीपन जैसी समस्याएं आज आम हो चुकीं हैं। इन कारणों से तनाव, अवसाद, चिड़चिड़ापन, उच्च रक्तचाप, मोटापा, हृदय की बीमारियां लोगों को घेर रही हैं।सच तो यह है कि आज मनुष्य की बदलती जीवनशैली के कारण देश में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है, जिससे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ता है। अधिक वजन से फेफड़ों पर दबाव बढ़ता है, जिससे अस्थमा और नींद से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं, तो जोड़ों पर अधिक दबाव पड़ने से गठिया और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। मिलावट, अशुद्धता के इस दौर में, बदलती जीवनशैली के कारण मनुष्य के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इस क्रम में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही थी कि देश में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है, जो चिंता का विषय है। पाठकों को बताता चलूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात कही थी कि, खेल को भारत के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। अपने संबोधन के दौरान उन्?होंने इस बात पर जोर दिया कि जब कोई देश खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, तो उसकी प्रतिष्ठा और प्रोफाइल भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि खेलों को भारत के विकास और उसके युवाओं के आत्मविश्वास से

जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि-एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बड़ी सुंदर तस्वीर यहां(देवभूमि उत्तराखंड में) दिख रही है। नेशनल गेम्स में इस बार भी कई देसी पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है तथा इस बार के नेशनल गेम्स, एक प्रकार से ग्रीन गेम्स भी हैं। इसमें एनवायरमेंटल फ्रेंडली चीजों का काफी इस्तेमाल हो रहा है। नेशनल गेम्स में मिलने वाले सभी मेडल और ट्रॉफियां भी ई-वेस्ट से बनी हैं। मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों के नाम पर यहां एक पौधा भी लगाया जाएगा। ये बहुत ही अच्छी पहल है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में बढ़ती मोटापे की समस्या (ओबेसिटी) को लेकर अपनी चिंताएं जताई। वास्तव में यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील है कि आज हमारे देश में ओबेसिटी (मोटापे) की समस्या तेजी से बढ़ रही है। देश का हर एज ग्रुप, और ?ुवा भी इससे बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। ये चिंतनीय इसलिए है क्योंकि मोटापा सब बीमारियों का घर कहा जाता है। मोटापे के कारण शुगर(डायबिटीज), हृदय रोग,जैसी अनेक बीमारियों का रिस्क युवाओं में विशेषकर बढ़ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि आज हमारे युवाओं को अपनी डाइट और व्यायाम आदि पर फोकस करते हुए अपनी जीवनशैली को संतुलित करने की आवश्यकता है। आज भी भागम-भाग और व्यस्त जिंदगी में हमें यह चाहिए कि हम अपने लिए थोड़ा-सा समय निकालकर एक्सरसाइज करें।

टहलने से लेकर वर्क-आउट करने तक, जो भी संभव हो सके हमें अवश्य करना चाहिए। शहरी जीवनशैली में हम न तो आज अपनी डाइट पर ही फोकस करते हैं और न ही अपने स्वास्थ्य पर। हर कोई आज पदार्थ की ओर भाग रहा है। ज्यादा से ज्यादा पाने की होड़ ने हमें कहीं का भी नहीं छोड़ा है। कहना गलत नहीं होगा कि हमारा फोकस आज के समय में बैलेंस्ड इनटेक पर नहीं रह गया है और हम फास्ट फूड और जंक फूड की ओर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। हमें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारा खाना/खान-पान न्यूट्रिशियस हो, पौष्टिक हो, संतुलित हो। हाल फिलहाल,सच तो यह है कि प्रधानमंत्री की मोटापे के विरूद्ध अपील को व्यापक जन-समर्थन मिला है। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएचो, दक्षिण पूर्व एशिया ने नियमित फिजिकल एक्टिविटी और संतुलित, पौष्टिक आहार के प्रधानमंत्री मोदी के आान का खासतौर पर उल्लेख किया है। कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आान के बाद लोगों में फिजिकल फिटनेस को बनाए रखने के प्रति जागरूकता का भाव पैदा हुआ है। वास्तव में,विश्व स्वास्थ्य संगठन और आइसीएमआर मोटापे को वैश्विक बीमारी मानते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 1975 के बाद से मोटापा तीन गुना बढ़ चुका है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2016 में 1.9 अरब वयस्क अधिक वजन के थे। विज्ञान जर्नल द लांसेट के मुताबिक, वर्ष 2022 में भारत में 5-19 वर्ष की आयु के 1.25 करोड़ बच्चे अधिक वजन के थे। देश में वयस्क महिलाओं में मोटापे की दर वर्ष 1990 की 1.2 फीसदी से बढ़कर वर्ष 2022 में 9.8 हो गई । इतना ही नहीं, आंकड़े बताते हैं कि इसी अवधि में ही पुरुषों में मोटापे की दर 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.4 फीसदी हो गई। गौरतलब है कि विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया और उप-सहारा अफ्रीका में, मोटापा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है।पाठकों को बताता चलूं कि 30 प्रतिशत से अधिक शरीर में वसा वाली महिलाओं और 25 प्रतिशत से अधिक शरीर में वसा वाले पुरुषों को मोटापे से ग्रस्त माना जाता है।

मॉर्बिड मोटापे को 40 से अधिक बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो पुरुषों के लिए लगभग 100 पाउंड अधिक वजन और महिलाओं के लिए 80 पाउंड के बराबर होता है। वास्तव में, मोटापा समस्या नहीं, बीमारी है। कहना गलत नहीं होगा कि आज सभी के लिए स्वस्थ आहार तक सस्ती पहुंच सुनिश्चित करने और सभी के लिए शारीरिक गतिविधि और समग्र स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने वाले वातावरण बनाने के उद्देश्य से नीतियों को लागू करने में अनेक महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं, हमें इन चुनौतियों पर विशेष ध्यान देना होगा। यह काबिले-तारीफ है कि ओबेसिटी (मोटापे)के खिलाफ जन अभियान में देश के 700 मेडिकल कॉलेज शामिल हो रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मांडविया के नेतृत्व में 250 से अधिक साइकिल सवार मोटापे से लड़ने की प्रधानमंत्री की अपील के समर्थन में दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एक मंच पर एकत्रित हुए। दिल्ली के एम्स के 14 डॉक्टरों ने भी मोटापे के शरीर पर पड़ने वाले असर पर व्यापक चर्चा की। यह काबिले-तारीफ है कि जल्द ही देश के सभी सरकारी अस्पतालों में मोटापे को लेकर विशेष ओपीडी संचालित होने वाली है, जहां आहार विशेषज्ञ पौष्टिक और संतुलित भोजन तथा व्यायाम आदि के बारे में जानकारी देंगे। बहरहाल,आज हमारे देश में फिट इंडिया मूवमेंट जारी है।

लोगों को मिलेट्स (मोटा अनाज) खाने को लेकर भी जागरूक किया जा रहा है। खेल, फिजिकल एक्टिविटी, बैलेंस्ड डाइट को लेकर भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जरूरत बस इस बात की है कि हम बैलेंस्ड लाइफ की ओर ध्यान दें। वास्तव में इसके लिए हमें यह चाहिए कि हम अपने खाने में अन-हेल्दी फैट, तेल को थोड़ा कम करें। हम ताजी चीजें, नैचुरल चीजें, बैलेंस्ड मील(संतुलित भोजन) खाएं।

माया राजनीति से मोह भंग की शिकार नहीं, बस सही समय का इंतजार !

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश में 2027 होने वाले विधान सभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी काफी मशक्कत कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में कहीं नजर नहीं आ रही हैं। कांग्रेस को तो फिर भी इस बात की उम्मीद है कि 2027 के चुनाव में अपने गठबंधन के सहयोगी समाजवादी पार्टी की पीठ पर चढ़कर कुछ हद तक अपनी नाक बचा लेगी,लेकिन चुनाव को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की खामोशी राजनैतिक पंडितों के साथ-साथ उसके कोर वोटरों को भी समझ में नहीं आ रही है। आज यूपी में बसपा की हालत पहले जितनी बिल्कुल भी मजबूत नहीं रह गई है, बल्कि उसकी स्थिति कहीं न कहीं कमजोर पड़ती नजर आती है। वर्ष 2007 में मायावती ने बसपा को अकेले दम पर 206 सीटें जिताकर बहुमत की सरकार बनाई थी। इसके बाद से पार्टी का वोट प्रतिशत लगातार गिरता गया। यूपी विधानसभा चुनाव 2012 से लेकर लोकसभा चुनाव 2024 तक लगातार चार बड़े चुनावों में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इन हार के बाद बसपा के सामने अब अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। यही कारण है कि मायावती 9 अक्तूबर की रैली से अपने समर्थकों को एकजुट करने और विपक्षी दलों को चुनौती देने की तैयारी में हैं। उनकी कोशिश कैडर को एकजुट करने की है। भले ही बसपा में अब बड़े नेताओं का अभाव हो, लेकिन मायावती और बसपा नेता बनाने एवं संगठन को खड़ा करने के लिए जानी जाती रही हैं। ऐसे में मिशन 2027 को कैसे लेकर वे आगे बढ़ेंगी, देखना दिलचस्प रहेगा।

2012 के बाद से बसपा का सत्ता से वनवास चल रहा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में यह पार्टी महज एक सीट पर सिमट गई थी और 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में उसका खाता तक नहीं खुला। वोट प्रतिशत लगातार गिरता गया है, 2022 में लगभग 13 फीसदी और 2024 में सिर्फ 9.39 फीसदी वोट मिले, जो राजनीतिक गिरावट का संकेत देता है। कभी कड़क छवि की पहचान रखने वाली मायावती के तेवर अब बिल्कुल ढीले पड़ गये हैं इसी वजह से उनके नेतृत्व में बसपा की सियासी पकड़ कमजोर हो चुकी है।

खासकर गैर-जाटव दलितों का एक बड़ा हिस्सा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की तरफ शिफ्ट हो गया है और जाटव वोट बैंक में भी सेंधमारी हुई है।

इस मुश्किल हालात को भांपते हुए मायावती और उनकी टीम संगठनात्मक स्तर पर लगातार राजनीतिक एक्सरसाइज कर रही हैं। पार्टी के भीतर और बाहर रोजाना बैठकें और संगठन की नई रणनीति बन रही है। मायावती ने सत्ता में वापसी के लिए दलितों के साथ-साथ ओबीसी और मुस्लिम वोटर्स को साधने का मिशन शुरू किया है। इसके तहत मंडल, जिला और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जा रहा है और एक बूथ पांच यूथ जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। मायावती की रणनीति यह है कि 2007 में जिस भाईचारा कमेटी के फामूर्ले के जरिए सभी वर्गों का गठजोड़ बनाकर सत्ता हासिल की थी, उसी को फिर लागू किया जाए। संगठन की 1600 से ज्यादा टीमें गांव-गांव जाकर पोलिंग बूथ और सेक्टर कमेटी बना रही हैं, ताकि कार्यकताओं को जोड़ा जा सके और पार्टी का जनाधार बढ़ाया जा सके।

बसपा का एक और बड़ा फोकस आगामी पंचायत चुनावों पर है। पार्टी मानती है कि अगर पंचायत चुनाव में सफलता मिलती है तो विधानसभा चुनाव में भी पार्टी को ऑक्सीजन मिलेगा। इसलिए पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जा रही है और बूथ स्तर पर काम तेज कर दिया गया है। सपा और बीजेपी दोनों ने बसपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध तो जरूर लगाई है, पर मायावती यह मानती हैं कि अगर संगठनात्मक ढांचा मजबूत किया जाए और सामाजिक गठबंधन फिर से ज्यादा प्रभावी तरीके से खड़ा किया जाए तो पार्टी को दोबारा उभार मिलेगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, मायावती के मन में राजनीति से ऊब की स्थिति नहीं है, बल्कि आज भी वे बसपा के सियासी भविष्य के लिए पूरी संजीदगी से जुटी हुई हैं। लगातार रणनीतिक बदलाव, संगठन के विस्तार व सोशल इंजीनियरिंग के अनेक प्रयोग यह संकेत देते हैं कि मायावती सियासत से किनारा करने का कोई विचार नहीं रखतीं। लेकिन उनकी चुनौती यह है कि दलित समाज अब बसपा के साथ उतना नहीं है, जितना पहले था। उसका एक बड़ा हिस्सा बीजेपी के साथ है, कुछ मुस्लिम वोटर सपा के साथ चले गये हैं और ओबीसी वोट बैंक में भी सेंधमारी हुई है।

श्रीलंका के पूर्व मत्स्य मंत्री राजिथा सेनारत्ने को नौ सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व मत्स्य मंत्री रजिता सेनारत्ने को आज कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट असंगा एस. बोदरागामा ने नौ सितंबर तक न्यायिक हिरासत पर जेल भेजने का आदेश दिया। सेनारत्ने को जेल अधिकारियों ने अदालत में पेश किया। उन्हें इससे पहले एक अन्य मामले में कोलंबो उच्च न्यायालय में पेश किया गया। उच्च न्यायालय ने उन्हें रिमांड पर लेने और कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार पूर्व मत्स्य मंत्री रजिता सेनारत्ने पर सरकार को दो करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। यह मामला किरिंडा मत्स्य बंदरगाह पर एक कोरियाई कंपनी को रेत खनन परियोजना सौंपने से संबंधित है। मुख्य मजिस्ट्रेट ने जेल अधिकारियों को आदेश दिया कि संदिग्ध को तीन सितंबर को सुबह 9 बजे रिश्वतखोरी आयोग के समक्ष पेश किया जाए। इसके अलावा पूर्व मंत्री शशिंद्र राजपक्षे को भ्रष्टाचार और षड्यंत्र के आरोपों में गिरफ्तार किए जाने के बाद आज कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट असंगा एस. बोदरागामा ने 12 सितंबर तक और न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश दिया। उन पर 2022 के जन विद्रोह के दौरान क्षतिग्रस्त हुई एक अनधिकृत संपत्ति के लिए अवैध रूप से मुआवजा हासिल करने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप है।

अमेरिका में रोडलेस एरिया कंजर्वेशन रूल होगा रद्द, वनों की कटाई के साथ सड़क निर्माण का रास्ता साफ

जुनो (अलास्का)। अमेरिका में रोडलेस एरिया कंजर्वेशन रूल रद्द होने जा रहा है। इसके बाद वनों में लकड़ी की कटाई शुरू होने के साथ सड़कों के निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा। अमेरिकी कृषि विभाग ने फेडलर रजिस्टर में 29 अगस्त को अधिसूचना जारी कर दी है। आलोचकों का कहना है कि इससे अकेले अलास्का में ही 1.5 करोड़ एकड़ वन भूमि प्रभावित होगी। अलास्का में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले अखबार 'एंकरेज डेली न्यूज' की खबर के अनुसार ट्रंप प्रशासन इस सप्ताह के आखिर तक रोडलेस एरिया कंजर्वेशन रूल रद्द कर देगा। अधिसूचना के अनुसार विभाग अलास्का समेत राष्ट्रीय वन प्रणाली की लगभग 44.7 मिलियन एकड़ भूमि पर सूचीबद्ध सड़क विहीन क्षेत्रों के प्रबंधन से संबंधित एक पर्यावरणीय प्रभाव विवरण (ईआईएस) और नियम निर्माण शुरू कर रहा है। प्रस्तावित नियम 2001 के सड़क विहीन क्षेत्र संरक्षण नियम (2001 सड़क विहीन नियम) (66 एफआर 3244, 36 सीएफआर उपभाग बी (2001)) को निरस्त कर देगा। इसी के साथ सूचीबद्ध सड़क विहीन क्षेत्रों में सड़क निर्माण, सड़क पुनर्निर्माण और लकड़ी की कटाई का रास्ता खुल जाएगा। अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार इस संबंध में आपत्ति और दावे 19 सितंबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

यूक्रेन की रक्षा कंपनी फायर पॉइंट ने बढ़ा-चढ़ाकर बताई कीमत, जांच शुरू

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन का भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एनएबीयू) देश की स्टार डीप-स्ट्राइक ड्रोन कंपनी 'फायर पॉइंट' के खिलाफ सरकार को गुमराह करने के आरोपों की जांच कर रहा है। 'फायर पॉइंट' पर आरोप है कि उसने कीमतों और आपूर्ति के मामले में सरकार को गुमराह किया। 'फायर पॉइंट' देश के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के पूर्व फिल्म स्टूडियो के सह मालिक की कंपनी है। कंपनी की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी इरीना तेरेख ने ऐसे किसी भी आरोप को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। कीव इंडिपेंडेंट अखबार ने अपनी खबर में इस रक्षा सामग्री के कल-पुर्जों की खरीद-फरोख्त से जुड़े पांच सूत्रों के हवाले से एनएबीयू के जांच शुरू करने की जानकारी दी है। हथियार निर्माता कंपनी 'फायर पॉइंट' को कथित तौर पर 'अंतिम लाभार्थी' बताया गया है। कीव इंडिपेंडेंट ने उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर कहा है कि हाल तक यह हथियार निर्माता कंपनी यूक्रेन के रक्षा हलकों में लगभग अनजान थी।

प्रधानमंत्री ओली का बीजिंग दौरा विवादों में घिरा, विशेषज्ञों ने दिया भ्रमण रद्द करने का सुझाव

काठमांडू। बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर में 3 सितंबर को जापान विरोधी युद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का दौरा विवादों में घिर गया है। नेपाल में कूटनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने इस तरह के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सावधानी बरतने का आग्रह किया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 26 देशों के राष्ट्रध्यक्ष और प्रधानमंत्री ओली बीजिंग में विजय दिवस परेड में शामिल होने वाले हैं। चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग के निमंत्रण पर नेपाल के प्रधानमंत्री ओली भी इसमें सहभागी होने वाले हैं। तियांजिंग में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद ओली बीजिंग में होने वाले विजय परेड समारोह में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करेंगे। जापानियों के खिलाफ सैन्य परेड आयोजित करने की चीन की योजना के बारे में अपनी आपत्ति व्यक्त करते हुए टोक्यो पहले ही कई देशों को राजनयिक नोट भेज चुका है, जिसमें उनसे इसमें भाग लेने से बचने का आग्रह किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी और जापान के पीएम इशिबा ने सेंडाई में सेमीकंडक्टर कंपनी का दौरा किया

एजेंसी

सेंडाई (जापान)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ मियागी प्रांत के सेंडाई शहर का दौरा किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र की अग्रणी कंपनी टोक्यो इलेक्ट्रॉन मियागी लिमिटेड (टीईएल मियागी) का दौरा किया। कारखाने में उन्हें टीईएल की वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में भूमिका, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और भारत के साथ वर्तमान व भविष्य के सहयोग के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरे से दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर निर्माण, टेस्टिंग और सप्लाई चेन में सहयोग के अवसरों की व्यावहारिक समझ बनी। यह यात्रा भारत के उभरते सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम और जापान की उन्नत तकनीक के बीच सामंजस्य को रेखांकित करती है।

दोनों नेताओं ने इस क्षेत्र में सहयोग गहन करने, जापान-भारत सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन साझेदारी के लिए सहमति को आगे बढ़ाने तथा भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धा व आर्थिक सुरक्षा वार्ता को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान मजबूत, लचीली और भरोसेमंद सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन विकसित करने के साझा लक्ष्य पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम इशिबा का इस यात्रा के लिए धन्यवाद किया और सेमीकंडक्टर जैसे रणनीतिक क्षेत्र में जापान के साथ मिलकर काम करने की भारत की इच्छा दोहराई। पीएम इशिबा ने सेंडाई में प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में दोपहर का भोजन आयोजित किया, जिसमें मियागी के गवर्नर और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।इस मुलाकात से दोनों देशों के बीच तकनीकी साझेदारी को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए जापान का सहयोग अहम माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस उच्च स्तरीय मुलाकात को सेंडाई के लिए सम्मान की बात बताया। आने वाले दिनों में इस साझेदारी से दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को फायदा होने की संभावना है।

बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- 13वां संसदीय चुनाव जोखिम भरा होगा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने कहा कि 13वां संसदीय चुनाव जोखिम भरा होगा। इसलिए वह चुनाव अधिकारियों से 100 फीसद निष्पक्ष होने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि आयोग का मूलमंत्र व्यावसायिकता और निष्पक्षता है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ने 13वें संसदीय चुनाव के संबंध में अगरगांव स्थित निर्वाचन प्रशिक्षण संस्थान में मुख्य प्रशिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 80 मुख्य प्रशिक्षक भाग ले रहे हैं। यह अधिकारी अगले साल होने वाले संसदीय चुनाव से पहले कर्मचारियों को प्रशिक्षण देंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगामी चुनाव में कानून-व्यवस्था की चुनौती के साथ-साथ सोशल मीडिया के दुरुपयोग, गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार जैसी नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा। इस अवसर पर चुनाव आयोग के अध्यक्ष अब्दुर रहमानेल मसूद ने अधिकारियों से संविधान और चुनावी कानूनों का पालन करते हुए कर्तव्य निभाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, इस बार निष्पक्ष चुनाव कराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। चुनाव आयुक्त मोहम्मद अनवारुल इस्लाम सरकार ने भी चुनाव अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगला आम चुनाव पिछले किसी भी चुनाव की तुलना में सबसे जोखिम भरा होगा। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी चुनाव के केंद्र बिंदु में होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए लगभग 50 हजार पीठासीन अधिकारियों की आवश्यकता होगी।

यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों को उड़ाया

एजेंसी

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों को उड़ाने का दावा किया है। इन पुलों के आसपास बनाई गई बारूदी सुरंगें भी विस्फोट के दौरान उड़ गईं। ब्रिगेड का दावा है कि उसने बेहद सस्ते 600 डॉलर के ड्रोन का इस्तेमाल कर इस अभियान को अंजाम दिया। अमेरिका के सीएनएन चैनल ने इस खबर का प्रसारण यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के हवाले से किया है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि यह दोनों पुल खार्किव क्षेत्र की सीमा के पास स्थित थे। इन दोनों पुलों का इस्तेमाल रूसी सेना अपने सैनिकों को आपूर्ति करने के लिए कर रही थी। बताया गया है कि इससे पहले यूक्रेन ने फरवरी 2022 में रूस की कई सड़कों पर पुलों को नष्ट किया था। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के अनुसार, इन दोनों पुलों के आसपास असामान्य गतिविधि देखने के बाद अभियान शुरू किया गया। बारूदी सुरंगें होने के कराण पुल के नीचे सामान्य टोही

ड्रोन को उड़ाना मुश्किल था। इसलिए फाइबर ऑप्टिक्स से लैस एक फर्स्ट-पर्सन-व्यू ड्रोन का सहारा लिया गया। रूस ने पुलों पर हुए हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। कीव पोस्ट की खबर के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने आमतौर पर शांत रहने वाले रूसी शहर ओर्योल पर पहले रूसी सेना ने कीव पर केंद्रित हमलों में बमवर्षक, क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल, हाइपरसोनिक मिसाइल और 560 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया। इस हमले में 23 यूक्रेनी नागरिक मारे गए और 50 से अधिक नागरिक घायल हुए थे। हमला किया। ओर्योल पर यूक्रेनी हमले में 20 से कम विमान शामिल थे। इस हमले में कम से कम चार रूसी नागरिक घायल हो गए। इससे

बलोचिस्तान में बीएलए के हमलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के आठ जवान मारे गए

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हाल के दिनों में बलोचिस्तान के कई जिलों में हुए आठ हमलों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने कहा है कि इन हमलों में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के कम से कम आठ जवान मारे गए। विस्फोट कर सुरक्षा बलों के अनेक वाहन उड़ा दिए गए। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले पंजगुर, कच्ची, क्वेटा, जीवानी, खरान, बुलेदा और दलबंदिन में किए। बलोच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने सुरक्षा बलों की टुकड़ियों, पुलिस दल और वाहनों पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), ग्रेनेड और बमों का इस्तेमाल किया। बीएलए ने कहा कि पंजगुर जिले के पारोम इलाके में गुरुवार को एक चौकी से रवाना होते समय सेना के एक वाहन पर रिमोट-नियंत्रित आईईडी से हमला किया, जिसमें छह जवान मारे गए। इस हमले में वाहन पूरी

तरह से नष्ट हो गया। इसी तरह कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में रेलवे ट्रैक साफ कर रहे एक बम निरोधक दस्ते को निशाना बनाया गया। इसमें एक सैनिक मारा गया। 28 अगस्त को इसी इलाके में एक और हमला किया गया। इसके अलावा क्वेटा के मियां घुंडी इलाके में लड़ाकों ने गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों को कुछ देर के लिए हिरासत में लिया और तीन कलाश्निकोव राइफलें छीन लीं। ग्वादर जिले के जीवानी में एक सैन्य शिविर पर ग्रेनेड हमला किया गया। बीएलए ने 21 अगस्त को खारन में एक व्यक्ति की हत्या की भी जिम्मेदारी ली। प्रवक्ता ने कहा कि यह व्यक्ति पाकिस्तानी एजेंसियों के लिए मुखबिरी करता था। 23 अगस्त को केच जिले के बुलेदा में तीन आपूर्ति ट्रक और एक क्रेन तथा चगाई जिले के दलबांडिन में दो अतिरिक्त आपूर्ति वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया।

ढाका में दो दलों के समर्थकों में हिंसक झड़प, गोनो अधिकार परिषद अध्यक्ष की हालत गंभीर, सेना ने मोर्चा संभाला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के काकरैल इलाके में रात दो पार्टियों के समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसा में गोनो अधिकार परिषद के अध्यक्ष नूरुल हक गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके अलावा पुलिस, सेना के जवान और दूसरी पार्टी के लोगों को भी चोट आई है। इस घटना के बाद काकरैल इलाके में तनाव के मद्देनजर सेना और पुलिस को तैनात किया गया है। प्रोथोम आलो अखबार की खबर के अनुसार, नूरुल हक के इलाज के लिए ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उच्च-स्तरीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। अस्पताल के निदेशक ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद असदुज्जमां ने शनिवार को बताया कि नूरुल हक के सिर में गंभीर चोट आई है। उनकी नाक में फ्रैक्चर हुआ है। रक्तस्राव नियंत्रित हो गया है और उन्हें होश आ गया है। कम से कम 48 घंटे बीत जाने तक यह पुष्टि नहीं की जा सकती कि वह खतरे से बाहर हैं। बताया गया है कि हिंसा की शुरुआत

काकरैल में जातीय पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय के सामने हुई। गोनो अधिकार परिषद के जुलूस में कुछ लोगों के पथराव करने से स्थिति बिगड़ गई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान नूरुल हक और कई अन्य घायल हो गए। परिषद ने आरोप लगाया कि जुलूस पर जातीय पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हमला किया। गोनो अधिकार परिषद के महासचिव रशीद खान ने आरोप लगाया है कि पुलिस और सेना के लाठीचार्ज में उनकी पार्टी के 100 से ज्यादा नेता और कार्यकर्ता घायल हो गए। नूर और छह अन्य लोगों को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (आईएसपीआर) ने विज्ञप्ति में कहा कि झड़प की शुरुआत में कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने दोनों पक्षों से शांत रहने का आग्रह किया था। दोनों पक्षों में से किसी ने भी उनकी अपील पर ध्यान नहीं दिया। इस दौरान सुरक्षा बलों पर हमला किया और रात को मशाल जुलूस निकालकर अशांति को भड़का दिया। कई प्रतिष्ठानों में आग लगाने का प्रयास किया। इसलिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को बल प्रयोग करना पड़ा। आईएसपीआर ने पुष्टि की कि इस घटना में पांच सैन्यकर्मी भी घायल हुए हैं। इस घटना पर ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार ने अपडेट दिया है कि अध्यक्ष नूर पर हमले के विरोध गोनो अधिकार परिषद का आज देशव्यापी (सभी 64 जिलों) प्रदर्शन शुरू हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी जापान में एक घंटे में 320 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ने वाली शिंकानसेन बुलेट ट्रेन से सेंडाई पहुंचे

एजेंसी

टोक्यो (जापान)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जापान में एक घंटे में 320 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ने वाली शिंकानसेन बुलेट ट्रेन की सवारी की। उनके इस सफर में जापान के प्रधानमंत्री इशिबा भी रहे। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस सफर के कुछ फोटो अपलोड किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापान दौरे के दूसरे दिन एक्स पर लिखा, सेंडाई पहुंचे। प्रधानमंत्री इशिबा के साथ शिंकानसेन से इस शहर की यात्रा की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसी ही ट्रेन भारत में लाना चाहते हैं। शिंकानसेन बुलेट ट्रेन उनके एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है।

संघीय अपील अदालत ने भारत को संभावित राहत देते हुए ट्रंप के टैरिफ को बताया गैरकानूनी

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका में एक संघीय अपील अदालत ने भारत के लिए संभावित राहत देते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए व्यापार शुल्क (टैरिफ) को गैरकानूनी करार दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप के पास ऐसे व्यापक अधिकार नहीं थे कि वे इस तरह के शुल्क लगा सकें। हालांकि, अदालत ने टैरिफ को 14 अक्टूबर तक जारी रहने की अनुमति दी है, ताकि ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का मौका मिल सके। फैसला आने के तुरंत बाद, ट्रंप ने इसे बहुत पक्षपाती बताते हुए इसकी आलोचना की और कहा कि वे इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे, जहां उन्हें मदद मिलने की उम्मीद है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यदि इसे ऐसे ही रहने दिया गया तो यह निर्णय सचमुच संयुक्त राज्य अमेरिका को नष्ट कर देगा।

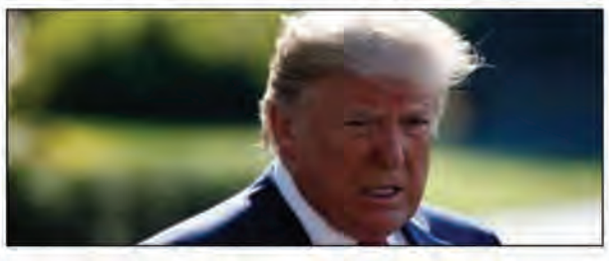

व्हाइट हाउस के उप प्रेस सचिव कुश देसाई ने अस्थायी रोक का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ अभी भी लागू रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि सरकार यह मामला अंत में जीत जाएगी। यह फैसला उन टैक्स पर लागू होता है जो अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आपातकाल के कानून के तहत लगाए गए थे, न कि सुरक्षा से जुड़े टैक्सों पर। अगर भारत सुप्रीम कोर्ट में कानूनी चुनौती से बच जाता है, तो उस पर लगाया गया 25 फीसद टैरिफ जरूर हटा दिया जाएगा। हालांकि, यह साफ नहीं है कि रूस से तेल खरीदने पर लगाया गया 25 फीसद दंडात्मक शुल्क भी इस फैसले में शामिल है या नहीं, क्योंकि होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम का कहना है कि यह शुल्क रूस से अमेरिका को होने वाले खतरे से निपटने के लिए लगाया गया था। न्यायालय के फैसले में उन शुल्कों को शामिल नहीं किया गया है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के कारण स्टील, एल्युमीनियम और तांबे पर लगाए गए हैं। इसलिए, ऐसा लगता है कि तेल पर लगने वाला टैरिफ अभी भी जारी रह सकता है। अमेरिकी कोर्ट ऑफ अपील्स ने 7-4 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है कि टैरिफ लगाने का अधिकार मुख्य रूप से कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। यह फैसला ट्रंप के टैरिफ संबंधी फैसले के खिलाफ है।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों से बातचीत की

एजेंसी

टोक्यो (जापान)। जापान की दो दिवसीय यात्रा के पूर्ण होने से कुछ समय पहले आज सुबह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजधानी टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि राज्य-प्रांत सहयोग भारत-जापान मैत्री का महत्वपूर्ण स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर का फोटो और संक्षिप्त विवरण अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, आज सुबह टोक्यो में, जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों के साथ बातचीत की। राज्य-प्रांत सहयोग भारत-जापान मैत्री का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यही कारण है कि कल 15वें वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन के दौरान इस पर एक अलग पहल शुरू की गई। व्यापार, नवाचार, उद्यमिता आदि क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। स्टार्टअप, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्र भी लाभकारी हो सकते हैं। इससे पहले भारत और जापान के नेताओं ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के साथ रक्षा, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। राजधानी टोक्यो में शिखर वार्ता के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और जापान

के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने आने वाले दशक में भारत में जापानी निजी निवेश को लगभग 6.8 अरब डॉलर प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लक्ष्य पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने आने वाले पांच वर्षों में श्रमिकों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान को बढ़ाकर पांच लाख करने पर भी सहमति जताई। दोनों सरकारों को उम्मीद है कि भारत का युवा कार्यबल जापान की बढ़ती उम्र और घटती आबादी के कारण श्रम की कमी को दूर करने में मदद कर सकता है।

पाकिस्तान के बाढ़ग्रस्त पंजाब प्रांत के लिए चार दिन मूसलाधार बारिश का पूर्वानुमान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने बाढ़ग्रस्त पंजाब प्रांत के लिए जारी पूर्वानुमान में 30 सितंबर से दो सितंबर तक भारी बारिश होने की संभावना जताई है। पूर्वानुमान में कहा गया है कि इससे खतरे के निशान से ऊपर बह रही प्रमुख नदियां और तबाही मचा सकती हैं। आज फील्ड मार्शल चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ असीम मुनीर ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के अनुसार इन चार दिनों में गंजा सिंह वाला में सतलुज नदी के बढ़े हुए जलस्तर में गिरावट आने के आसार नहीं हैं। शाहदरा में जरूर रावी का जलस्तर घट सकता है। त्रिम्मू में चिनाब नदी 24 घंटों के भीतर और तबाही मचा सकती है। पंजनाद में 2 सितंबर तक चिनाब का पानी घरों में घुस सकता है। इस बीच, गुड्डू और सुक्कुर बैराजों पर सिंधु नदी के 4 और 5 सितंबर को विकराल रूप धारण कर सकती है। आज फील्ड मार्शल चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ असीम मुनीर ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया है। उन्होंने करतारपुर में सिख समुदाय से मुलाकात कर बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की। पंजाब आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अनुसार, चेनाब नदी के बाढ़ के पानी को मोड़ने और झंग शहर को जलमग्न होने से बचाने के लिए रिवाज पुल को तोड़कर बड़ी दरार निर्मित की गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हैजा के बढ़ते प्रकोप पर चिंता जताई, बताया तेज कार्रवाई की है जरूरत

एजेंसी

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया है कि संघर्ष और गरीबी के कारण हैजा का प्रकोप कई देशों में बढ़ रहा है और यह वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन गया है। लेटेस्ट डिजीज आउटब्रेक न्यूज के अनुसार, 1 जनवरी से 17 अगस्त 2025 के बीच 31 देशों में हैजा के 4,09,000 मामले और 4,738 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें से छह देशों में मृत्यु दर 1 प्रतिशत से अधिक रही। आंकड़ों के अनुसार, पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, जबकि अफ्रीकी क्षेत्र में सबसे अधिक मौतें हुईं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि संघर्ष, बड़े पैमाने पर विस्थापन, प्राकृतिक आपदाएं और जलवायु परिवर्तन, विशेष रूप से ग्रामीण और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, जहां बुनियादी ढांचा कमजोर है और स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सीमित है, हैजा के प्रसार को बढ़ावा दे रहे हैं। इन सीमा-पार चुनौतियों ने हैजा प्रकोप को और अधिक जटिल और नियंत्रित करना कठिन बना दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्तमान हैजा आपातकाल को खत्म करने और

भविष्य में ऐसी महामारियों को रोकने का एकमात्र स्थायी और दीर्घकालिक समाधान सुरक्षित पेयजल, साफ-सफाई और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना है। समाचार एजेंसी के अनुसार, हैजा के मामलों की संख्या और गंभीरता को देखते हुए, इसके एक देश से दूसरे देश और साथ ही देश के भीतर भी फैलने का जोखिम बहुत अधिक है। इसके प्रसार को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) निगरानी को मजबूत करने, मामलों के प्रबंधन में सुधार लाने, जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य हस्तक्षेपों को बढ़ाने, टीकाकरण अभियान चलाने और जन स्वास्थ्य उपायों को लागू करने के लिए सीमा पार समन्वय बढ़ाने की सिफारिश करता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हैजा एक गंभीर बीमारी है, जो विब्रियो कोलेरा नामक जीवाणु से फैलती है। यह जीवाणु दूषित खाने या पानी में पाया जाता है। यह एक वैश्विक जन स्वास्थ्य खतरा है। यह दुनिया भर में एक बड़ा खतरा है और गरीबी और असमानता का संकेत भी है। हैजा और अन्य जल जनित बीमारियों से बचने के लिए, साफ पानी, बेहतर साफ-सफाई और अच्छी स्वच्छता बहुत जरूरी है। हैजा से पीड़ित अधिकांश लोगों को हल्का या मध्यम दस्त होता है और उनका इलाज ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) से किया जा सकता है। हालांकि, यह बीमारी तेजी से बढ़ सकती है, इसलिए जान बचाने के लिए जल्दी से इलाज शुरू करना जरूरी है। गंभीर बीमारी वाले मरीजों को नसों में तरल पदार्थ, ओआरएस और एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता होती है। कुछ देशों में हैजा का प्रकोप नियमित रूप से होता रहता है। अन्य देशों में, ये कम बार होते हैं, और प्रकोपों के बीच कई साल लग सकते हैं। हाल के वर्षों में विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित किए गए हैजे के मामलों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। 2023 में, 45 देशों से डब्ल्यूएचओ को कुल 535,321 मामले और 4007 मौतें दर्ज की गईं।

एलआईसी ने वित्त मंत्री निर्मला को सौंपा 7324.34 करोड़ रुपये का लाभांश चेक

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण को 7324.34 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) आर. दोरईस्वामी ने केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण को 7324.34 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा। बीमा कंपनी ने कहा कि यह चेक भारत सरकार के लाभांश हिस्से के रूप में है, जिसे 26 अगस्त, 2025 को आयोजित वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया था। इस अवसर पर वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू, मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. प्रशांत कुमार गोयल, भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारियों में प्रबंध निदेशक सतपाल भानु, प्रबंध निदेशक दिनेश पंत, प्रबंध निदेशक रत्नाकर पटनायक और जे.पी.एस.बजाज, क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रभारी), उत्तरी क्षेत्र भी उपस्थित थे। एलआईसी अपनी स्थापना के 69 गौरवशाली वर्ष पूरा कर रही है और 31 मार्च, 2025 तक इसकी परिसंपत्ति 56.23 लाख करोड़ रुपये है।

डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचा रुपया, भारतीय मुद्रा में 57 पैसे की गिरावट

नई दिल्ली। भारत पर थोपे गए 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ को लेकर बाजार में बनी चिंता, डॉलर इंडेक्स में आई तेजी और डॉलर की मांग में बढ़ोतरी होने का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ दिखा। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 57 पैसे फिसल कर 88.20 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 87.63 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 7 पैसे की कमजोरी के साथ 87.70 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ नजर आया। रुपये पर बढ़ते दबाव की वजह से भारतीय मुद्रा 68 पैसे की कमजोरी के 88.31 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गई। हालांकि बाद में डॉलर की मांग में थोड़ी कमी आने रुपये की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 57 पैसे की गिरावट के साथ 88.20 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

देश की जीडीपी पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर पांच तिमाहियों के उच्चतम स्तर 7.8 फीसदी पर पहुंच गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की विकास दर 6.5 फीसदी से भी बेहतर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जीडीपी 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 7.8 फीसदी बढ़कर पांच तिमाहियों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित?त वर्ष की इसी अवधि में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रही थी। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान अमेरिका के भारी शुल?क लगाए जाने से पहले की 5 तिमाहियों में यह सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बढ़ी है। भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, क्योंकि अप्रैल-जून में चीन की जीडीपी वृद्धि 5.2 प्रतिशत रही थी। इससे पहले उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर 2024 के जनवरी-मार्च तिमाही में 8.4 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार कृषि क्षेत्र में 3.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में 1.5 फीसदी थी।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए की गई है। अब वे आईएमएफ में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्मिक मंत्रालय की ओर से 28 अगस्त को जारी एक सरकारी अधिसूचना के मुताबिक मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर डॉ. उर्जित पटेल को आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक (ईडी) के पद पर नियुक्त करने को अपनी मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए होगी। उर्जित पटेल के वी. सुब्रमण्यम का स्थान लेंगे, जिनकी सेवाएं सरकार ने उनके तीन साल के कार्यकाल से छह महीने पहले 30 अप्रैल, 2025 को समाप्त कर दी थीं। पटेल ने सितंबर, 2016 में रघुराम राजन के बाद 24वें गवर्नर के तौर पर 4 सितंबर, 2016 को रिजर्व बैंक की कमान संभाली थी। हालांकि, दिसंबर 2018 में उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था।

मेडटेक क्षेत्र आत्मनिर्भरता का स्वाभाविक उम्मीदवार, विकास के लिए साहसिक लक्ष्य करने होंगे निर्धारित: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मेडटेक क्षेत्र आत्मनिर्भरता के लिए एक स्वाभाविक उम्मीदवार है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए साहसिक लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन व्यापार और साझेदारी के लिए एक निर्णायक मंच के रूप में विकसित हुआ है।

गोयल ने यहां 17वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ग्लोबल मेडटेक शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। वाणिज?य मंत्री ने उद्योग से जीवंत भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार की अनुसंधान, विकास और नवाचार योजना का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने भारतीय मेडटेक उद्योग की विशेष रूप से कोरोना महामारी के दौरान, उल्लेखनीय वृद्धि और लचीलेपन के लिए सराहना की।

उन्होंने भारत को स्वास्थ्य सेवा में आत्मनिर्भर बनाने में इस क्षेत्र के योगदान की प्रशंसा की और इसे किफायती, उच्च-गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने में वैश्विक अग्रणी बनने का आग्रह किया। इसके अलवा केंद्रीय मंत्री गोयल ने नई दिल्ली में सीआईआई इंडिया-अफ्रीका बिजनेस कॉन्क्लेव के 20वें संस्करण के समापन सत्र में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि पारस्परिक लाभ के लिए भारत-अफ्रीका साझेदारी को मजबूत करने के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, हम मिलकर कच्चे माल के निर्यात से आगे बढ़कर वैश्विक बाज़ारों के लिए मूल्यवर्धित उत्पादन की ओर बढ़ सकते हैं।

गोयल ने कहा कि 20 साल पहले शुरू हुए इस कॉन्क्लेव के विचार ने अफ्रीकी देशों के अवसरों और क्षमताओं को उजागर किया है और साथ ही अफ्रीका एवं भारत दोनों की ताकतों को भी प्रदर्शित किया है। गोयल ने कहा कि? भारत और अफ्रीका को 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लिए काम करना चाहिए, जिसमें मूल्य संवर्धन, तकनीक-संचालित कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.38 अरब डॉलर घटकर 690.72 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय प्रोडक्ट पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 4.38 अरब डॉलर घटकर 690.72 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 695.11 अरब डॉलर पर था।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 22 अगस्त को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.65 अरब डॉलर घटकर 582.25 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 66.5 करोड़ डॉलर घटकर 85 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.74 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई के मुताबिक 22 अगस्त को समाप्त हफ्ते में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.73 अरब डॉलर पर रहा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

बंगाल में ईडी ने जब्त की टीपी ग्लोबल और आईएक्स ग्लोबल की 18.78 करोड़ की संपत्ति

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दो फॉरेक्स कंपनियों - टीपी ग्लोबल एफएक्स और आईएक्स ग्लोबल की कुल 18.78 करोड़ मूल्य की चल-अचल संपत्तियां जब्त की हैं। ईडी की कोलकाता जोनल कार्यालय ने तलाशी अभियान के बाद फ्लैट, अपार्टमेंट, वाणिज्यिक स्थल, फिक्स्ड डिपॉजिट और म्यूचुअल फंड जैसी संपत्तियों को जब्त किया। यह कार्रवाई कोलकाता पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस और गुजरात पुलिस द्वारा टीएम ट्रेडर्स, केके ट्रेडर्स, टीपी ग्लोबल एफएक्स, आईएक्स ग्लोबल, आईएक्स एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट किया है कि टीपी ग्लोबल एफएक्स की वेबसाइट न तो आरबीआई के साथ पंजीकृत है और न ही उसे फॉरेक्स ट्रेडिंग के लिए कोई अनुमति प्राप्त है। केंद्रीय बैंक ने पहले ही 9 सितंबर, 2022 को चेतावनी सूची जारी कर लोगों को अनधिकृत फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सतर्क रहने की सलाह दी थी। केंद्रीय एजेंसी की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि ईडी की जांच में सामने आया है कि प्रसेंजीत दास और तुषार पटेल जैसे व्यक्तियों ने कई डमी कंपनियों के जरिए निवेशकों को ठगने की योजना बनाई। उन्हें फॉरेक्स ट्रेडिंग में ऊंचे रिटर्न का झांसा देकर निवेश कराया गया। वहीं, आईएक्स ग्लोबल के निदेशक और प्रमोटर - सुहास पाटिल और जोसेफ मार्टिनेज - सहित कई प्रभावशाली लोग टीपी ग्लोबल एफएक्स को 'पसंदीदा ब्रोकर' के रूप में प्रमोट करते रहे। देशभर में टीपी ग्लोबल एफएक्स, आईएक्स ग्लोबल,

आईएक्स एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड और इनके प्रमोटरों/इन्फ्लुएंसर्स जैसे विराज सुहास पाटिल, तुषार पटेल, जोसेफ मार्टिनेज के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। इससे पहले ईडी ने शैलेश कुमार पांडे, प्रसेंजीत दास और विराज सुहास पाटिल को गिरफ्तार भी किया था। ईडी ने बताया कि अब तक इस मामले में 291 करोड़ की नकदी, सोना, रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी प्रतिष्ठान, दफ्तर, कृषि भूमि, वाहन, क्रिप्टोकरेंसी और बैंक बैलेंस जब्त/फ्रीज/अटैच किए जा चुके हैं। इस मामले में विशेष पीएमएलए अदालत, कोलकाता में अब तक तीन चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं।

विक्रान इंजीनियरिंग का आईपीओ अंतिम दिन 23.59 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पांस मिला है। इस आईपीओ को बोली के अंतिम दिन 23.59 गुना सब्सक्राइब किया गया। इस इश्यू को सब्सक्राइब करने का आज आखिरी दिन है। कंपनी के शेयर एक सितंबर को अलॉट होंगे, जबकि 3 सितंबर को स्टॉक बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। इस इश्यू को प्रस्तावित 92-97 रुपये प्राइस बैंड पर 5.87 करोड़ शेयरों के मुकाबले 138.59 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। आंकड़ों के अनुसार इस निर्गम को शाम 5.30 बजे तक 23.59 गुना अभिदान मिला। आंकड़ों के मुताबिक गैर-संस्थागत निवेशक भाग और योग्य संस्थागत खरीदार भाग क्रमशः 58.58 गुना और 19.45 गुना सब्सक्राइब हुए हैं, जबकि खुदरा भाग 10.97 गुना सब्सक्राइब हुआ है। विक्रान इंजीनियरिंग का इश्यू 26 अगस्त को बोली के लिए खुलकर 29 अगस्त को बंद हुआ। इसके लिए मूल्य का दायरा 92-97 रुपये प्रति शेयर था। एक निवेशक को न्यूनतम 148 इक्विटी शेयरों और उसके गुणकों में बोली लगाने की अनुमति थी। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड के आईपीओ में एक नया इश्यू और एक बिक्री प्रस्ताव दोनों शामिल हैं। इस इश्यू में कुल 721 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक इश्यू और कंपनी के प्रमोटरों में से एक राकेश अशोक मरखेडकर द्वारा 51 करोड़ रुपये तक के बिक्री प्रस्ताव शामिल हैं। कंपनी की योजना नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय में से 541 करोड़ रुपये का उपयोग कार्यशील पूंजी जरूरतों के लिए और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का है। मुंबई स्थित विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड तेजी से बढ़ती भारतीय इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण कंपनियों में से एक है। इसके प्रमुख ग्राहकों में एनटीपीसी लिमिटेड, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड आदि शामिल हैं। कंपनी के पास 16 राज्यों में 44 चालू परियोजनाएं है।

देश में व्यापक आयुष पारिस्थितिकी तंत्र भारत को वैश्विक स्वास्थ्य एवं वेलनेस लीडर के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा: प्रतापराव जाधव

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री प्रातपाराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने एकव्यापक आयुष पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है, जिसमें शोध, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, औषधि उत्पादन और मजबूत नियामक तंत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो भारत को वैश्विक स्वास्थ्य एवं वेलनेस लीडर के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। आज भारत में 1,000 से अधिक आयुष कॉलेज हैं, जिनमें 500 से ज्यादा आयुर्वेद संस्थान शामिल हैं, जिन्हें व्यापक शोध नेटवर्क का सहयोग प्राप्त है।

नई दिल्ली में 'ब्रिजिंग ट्रेडिशन एंड इनोवेशन' विषय पर आयोजित ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर समिट 2025 की अध्यक्षता करते हुए प्रतापराव जाधव ने कहा कि ब्रिक्स, जो दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी का एक-तिहाई और विश्व व्यापार का पांचवां

हिस्सा है, उसे समावेशी और सतत विकास को गति देने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। मंत्री ने आयुष पद्धतियों की वैश्विक स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्राजील में आयुर्वेदिक चिकित्सकों के समुदाय से लेकर रूस की स्वास्थ्य सेवाओं में आयुर्वेद के समावेश और चीन में पारंपरिक चिकित्सा की समानांतर प्रगति तक, दुनिया भर में आयुर्वेद का प्रभाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यद्यपि आयुर्वेद और योग का वैश्विक बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है, लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि यह विकास समावेशी, नैतिक और सतत हो। इसके लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी, डिजिटल हेल्थ इनोवेशन, न्यूट्रास्युटिकल अनुसंधान और उद्यमियों, नवोन्मेषकों तथा किसानों की पहचान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जाधव ने जोर दिया कि आयुष उत्पादों के लिए ब्रिक्स देशों के बीच मजबूत सहयोग और समन्वित ढांचे से बाजार का विस्तार होगा, आर्थिक संवेदनशीलता घटेगी और भारत को वैश्विक स्वास्थ्य एवं वेलनेस लीडर के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।मंत्री ने आगे जानकारी दी कि आयुष मंत्रालय ने 25 देशों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे पारंपरिक चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मजबूत नींव तैयार हुई है। उन्होंने ब्रिक्स देशों से आह्वान किया कि इस समिट का उपयोग नए गठबंधनों के निर्माण और ऐसे स्वास्थ्य मॉडल विकसित करने में करें, जो परंपरा और नवाचार का संतुलन प्रस्तुत करें।

तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय में आधारभूत ढांचे के विस्तार के लिए 385 करोड़ मंजूर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय (कट्टन, तिरुवरूर) में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) के माध्यम से 385.27 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस निवेश से विश्वविद्यालय में आधुनिक शैक्षणिक और आवासीय सुविधाओं का विकास किया जाएगा।शिक्षा मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना के अंतर्गत अत्याधुनिक अकादमिक ब्लॉक, छात्र एवं शोधार्थियों के लिए नए हॉस्टल, संकाय एवं स्टाफ के आवासीय परिसर तथा एक विशेष वैज्ञानिक यंत्र केंद्र का निर्माण किया जाएगा। यह केंद्र उन्नत शोध के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होगा। मंजूर की गई परियोजनाओं में नया अकादमिक भवन निर्माण 96.40 करोड़ रुपये, 300 बिस्तरों वाला छात्रावास (लड़कियां) 46.63 करोड़ रुपये, 300 बिस्तरों वाला छात्रावास (लड़के) - 46.91 करोड़ रुपये, वैज्ञानिक यंत्र केंद्र - 19.95 करोड़ रुपये, वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद - 16.84 करोड़ रुपये, प्रशासनिक भवन का विस्तार - 46.16 करोड़ रुपये, संकाय एवं स्टाफ क्वार्टर - 62.97 करोड़ रुपये और 400 बिस्तरों वाला शोधार्थी छात्रावास - 42.60 करोड़ रुपये प्रमुख हैं। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना का व्यय एचईएफए के तहत किया जाएगा, जिसकी सेवा मुख्य रूप से मंत्रालय के अनुदानों से होगी। इस निवेश से केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु का शैक्षणिक वातावरण और समृद्ध होगा, छात्रों व शोधार्थियों के लिए बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा आधुनिक प्रयोगशालाएं और उपकरण सुनिश्चित किए जाएंगे

भारत का विकास अभूतपूर्व, कम कार्बन उत्सर्जन के साथ हो रही वृद्धि : नीति आयोग सीईओ

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी.वी. आर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत की विकास यात्रा अभूतपूर्व है, क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था कम कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण अनुकूल रास्ते पर चलते हुए वृद्धि कर रही है। नीति आयोग ने जारी एक बयान में बताया कि बी.वी. आर सुब्रह्मण्यम ने नीति आयोग, ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) और सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति केंद्र (सीएसईपी) की ओर से 28 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि

यह परिवर्तन ऊर्जा-प्रधान होगा, इसके बावजूद भारत एनडीसी (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) के अनुसार लगातार प्रगति कर रहा है और 'मिशन लाइफ' जैसी नीतियों को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन भारत को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है, क्योंकि कई बड़े उत्सर्जक अपने ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों पर पर्याप्त तेजी से आगे नहीं बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्सर्जन में कमी सबसे प्रमुख वैश्विक जिम्मेदारी बनी रहनी चाहिए, और भारत को इसके लिए कुछ नई तकनीकों का भी पता लगाना होगा, ताकि देश टिकाऊ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सके। इस कार्यक्रम में ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के संस्थापक-सीईओ अरुणाभ घोष ने कहा कि भारत को गैर-रेखीय तरीके से वृद्धि करनी होगी, यानी औद्योगिकीकरण को कम किए बिना कार्बन उत्सर्जन कम करना है।

द बॉडी शॉप ने नोएडा के डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में नए स्टोर को किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। द बॉडी शॉप, ब्रिटिश मूल का एक अंतरराष्ट्रीय एथिकल ब्यूटी ब्रांड है, ने नोएडा के डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में अपने स्टोर को नए अंदाज़ में लॉन्च किया। इस स्टोर की खास बात यह है इसका आर्टिस्टिक म्यूरल, नोएडा की स्थानीय संस्कृति और प्रतिष्ठित स्थलों से प्रेरित है। यह कलाकृति न केवल द बॉडी शॉप के मूल्यों को बखूबी दर्शाती है बल्कि शहर में उभरती पब्लिक आर्ट कल्चर से भी मेल खाती है। इस लॉन्च के अवसर पर द बॉडी शॉप ने घरेलू ब्रांड माइनस 30 के साथ एक अनोखा प्रयोग किया, जो अपने वीगन और शुगर-फ्री आइसक्रीम विकल्पों के लिए मशहूर है। इस खास साझेदारी के तहत, ग्राहकों को लॉन्च के लिए तैयार की गई लिमिटेड-एडिशन पैशनफ्रूट जेलाटो का स्वाद चखने का मौका मिला, जिसने इस अवसर को और भी

यादगार बना दिया। इस मौके पर ग्रुप सीईओ राहुल शंकर ने कहा कि ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स इस बात की पुष्टि करता है कि हमारा उद्देश्य-प्रधान स्टोर समुदाय के साथ गहराई से जुड़ा है। अपने समुदाय को केंद्र में रखते हुए उनके अनुभवों के साथ यह स्टोर वास्तव में सौंदर्य और सामाजिक प्रतिबद्धता को एक साथ लाता है। हमारी मजेदार आइसक्रीम साझेदारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय वाइब्रेंट और जूसी पैशनफ्रूट रेंज के लॉन्च को एक नई खुशी के साथ मनाने का अवसर दिया है।

लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ शेयर बाजार, 80 हजार से नीचे आया सेंसेक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल, ऑटोमोबाइल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स, मीडिया और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई।

भारत-जापान वार्ता: अगले एक दशक में 10 ट्रिलियन येन निवेश का रोडमैप तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और जापान ने टोक्यो में आयोजित वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसमें आर्थिक, सुरक्षा, तकनीकी, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय सहयोग से जुड़े कुल 20 से अधिक दस्तावेज शामिल हैं। इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम आने वाले दशक के लिए साझा दृष्टिकोण पत्र और 10 ट्रिलियन येन निवेश लक्ष्य तय करना रहा। भारत-जापान 15वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दो दिवसीय दौरे पर आज टोक्यो पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शाम को अपने जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के साथ विस्तृत बैठक की, जो लगभग ढाई घंटे चली। इस दौरान द्विपक्षीय वार्ताएं हुईं, कई समझौतों का आदान-प्रदान हुआ और संयुक्त प्रेस वार्ता के बाद प्रधानमंत्री इशिबा ने मोदी के सम्मान में रात्रिभोज दिया। भारत-जापान शिखर सम्मेलन पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक विशेष ब्रीफिंग में बताया कि इस यात्रा का मुख्य आकर्षण वे परिणाम हैं जो आने वाले दशक की नींव रखेंगे और द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देंगे। दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले दस वर्षों के लिए साझा दृष्टिकोण पत्र को स्वीकार किया, जो एक रणनीतिक रोडमैप है। उन्होंने बताया कि इस दौरान दोनों नेताओं ने न केवल द्विपक्षीय विषयों पर बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियों पर भी चर्चा की। यह स्पष्ट है कि वर्तमान भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच भारत-जापान संबंध अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता के स्तंभ बने हुए हैं। मिस्री ने बताया कि जापान आज भारत का सबसे मूल्यवान और विश्वसनीय मित्र है। आत्मनिर्भर और विकसित भारत की यात्रा में जापान एक महत्वपूर्ण साझेदार है। संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए दोनों सरकारों ने आठ स्तंभों पर सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। इनमें आर्थिक संबंध, आर्थिक सुरक्षा, गतिशीलता, प्रौद्योगिकी और नवाचार, पारिस्थितिकीय स्थिरता, स्वास्थ्य, जन-से-जन संपर्क और राज्यों तथा प्रांतों के बीच साझेदारी शामिल हैं। विदेश सचिव ने बताया कि आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती दोनों देशों के बीच लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। इस दिशा में आर्थिक सुरक्षा पहल शुरू की गई। इसके तहत पांच प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान की गई है- सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, औषधि, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विशेषकर दूरसंचार और स्वच्छ ऊर्जा। इन क्षेत्रों में दोनों देशों ने केंद्रित सहयोग पर सहमति जताई है। इस वार्ता में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर पर संवाद बढ़ाने को संस्थागत रूप देने का निश्चय किया है। दोनों देशों ने समसमायिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार किया है। इसके तहत सुरक्षा उद्योग, अनुसंधान एवं विकास, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी गतिविधियों की रोकथाम पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। वार्ता में मानव संसाधन के क्षेत्र में कार्ययोजना तैयार की गई। इसके अंतर्गत दोनों देशों के बीच 5 लाख लोगों का द्विपक्षीय आदान-प्रदान होगा। विशेष रूप से भारत से 50 हजार कुशल और अर्धकुशल कर्मियों को अगले पांच वर्षों में जापान भेजा जाएगा। पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में कई दस्तावेजों पर सहमति बनी। इसमें डिकार्बोनाइजिंग तकनीक, अपशिष्ट जल प्रबंधन, स्वच्छ हाइड्रोजन और अमोनिया पर शोध, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय तकनीक का सहयोग शामिल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने का निर्णय हुआ।

मां बनने के लिए तरसी

सनी लियोनी

ने सरोगेट मदर को दिए करोड़ों, बोलीं-उन पैसों से उसने घर बनवा लिया, शादी कर ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी तीन बच्चों की मां हैं। एक गोद ली हुई बेटी निशा और सरोगेसी से पैदा हुए जुड़वां बेटों नूह और अशर। हाल ही में सनी लियोनी ने अपने सरोगेसी अनुभव के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किय।

उन्होंने बताया कि सरोगेट मां को इतनी मोटी रकम मिली थी कि वह अपना घर बनवा पाई और अपनी शादी का खर्च उठा पाई। सनी अपने अगले पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में सोहा अली खान के साथ सरोगेसी के सफर पर बात करती नजर आएंगी। इस एपिसोड का ट्रेलर सोहा ने गुरुवार को पोस्ट किया।

वीडियो की शुरुआत सोहा अली खान के ये कहने से होती है- आज का एपिसोड असल में माता-पिता बनने के अलग-अलग तरीकों को जानने के बारे में है जिसके बाद सनी कहती हैं- मेरे मन में एक विचार आया कि मैं एक बच्चा गोद लेना चाहती हूं।भारत की स्त्री रोग विशेषज्ञों में से एक, किरण कोएलो भी महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में बात करने के लिए उनके साथ हैं।

ट्रेलर में, सनी एक बच्ची को गोद लेने के सफर के बारे में बात करते हुए कहती हैं - हमने गोद लेने के लिए आवेदन किया था और जिस दिन आईवीएफ हुआ उसी दिन हमें एक बच्ची मिल गई।बातचीत के दौरान, सोहा ने सनी से पूछा कि क्या उन्होंने सरोगेसी का फैसला जानबूझकर लिया था क्योंकि वह मां नहीं बनना चाहती थीं। सनी ने इस बात पर कहा, हां मैंने ऐसा नहीं किया।

सोहा ने सनी से पूछा कि उन्हें किन-किन खर्चों का बोझ उठाना पड़ा। इस पर सनी ने कहा- हमने वीकली फीस दी। उनके पति को भी छुट्टी के लिए पैसे मिलते थे। तो, उन्हें इसके लिए पैसे मिलते थे। मतलब, हमने बहुत पैसे दिए। उन्होंने एक घर खरीदा और उनकी शादी भी बहुत शानदार ढंग से हुई।

सनी लियोनी और डेनियल वेबर ने 2011 में शादी की थी। कपल के तीन बच्चे हैं, बेटी निशा, जिसे 2017 में गोद लिया गया था और जुड़वां बेटे नूह और अशर जो 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे। सनी अक्सर बर्थडे, पारिवारिक छुट्टियों और कई मौकों पर अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं।

संजय दत्त की मां की वो दिल चीरने वाली बात, सुनकर हैरान रह गई थीं रेखा

रेखा को हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक के रूप में देखा जाता है. 70 के दशक से लेकर 90 के दशक तक बॉलीवुड में अपने टैलेंट का लोहा मनवाने वाली रेखा ने अपने समय में बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दीं. एक्ट्रेस ने फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ से भी खूब सुर्खियां बटोरी थी. हालांकि इसके चलते रेखा को कई बार बॉलीवुड सेलेब्स से भला-बुरा भी सुनने को मिला था. एक बार गुजरे दौर की मशहूर एक्ट्रेस नरगिस ने तो रेखा के लिए ऐसे शब्द इस्तेमाल किए थे, जिन्हें सुनकर रेखा को गहरा झटका लगा था.

रेखा ने न सिर्फ बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीता, जबकि वो अपनी खूबसूरती और डांस से भी लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहीं. वहीं उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो अमिताभ बच्चन संग उनका अफेयर रहा. विनोद मेहरा संग उन्होंने शादी की थी. उनका नाम संजय दत्त और अक्षय कुमार जैसे सुपरस्टार्स से भी जुड़ा था. यहां तक कि रेखा और सुनील दत्त के साथ काम करने के दौरान उनके अफेयर की खबरें उड़ी थीं. तब सुनील दत्त की पत्नी नरगिस, रेखा पर भड़क गई थीं.

'वो मर्दों को इशारे करती थी...'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय दत्त की मां और गुजरे दौर की मशहूर एक्ट्रेस नरगिस ने रेखा को लेकर साल 1976 में एक बड़ा बयान दिया था. सुनील और रेखा ने साथ में 'ये आग कब बुझेगी' और 'प्राण जाए पर वचन ना जाए' जैसी फिल्मों में काम किया था. तभी दोनों के अफेयर को लेकर चर्चा होने लगी थी.

रेखा और अपने पति सुनील दत्त के अफेयर के बाद नरगिस ने रेखा को लेकर कहा था, वो (रेखा) मर्दों को ऐसे सिग्नल देती है कि वो उनके लिए आसानी से अवेलेबल है. इसके आगे उन्होंने रेखा को चुड़ैल तक कहा था. नरगिस ने आगे कहा था, जबकि कुछ लोगों की नजरों में वो किसी चुड़ैल से कम नहीं हैं. कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं रेखा को समझने लगी हूं. पर अब मैं उनकी समस्या समझ गई हूं.

रेखा को एक मजबूत मर्द चाहिए

नरगिस ने रेखा के लिए आगे भी ऐसे ही शब्द कहे थे. दिवंगत अभिनेत्री ने आगे कहा था, मैंने कई ऐसे बच्चों के साथ काम किया है जिन्हें साइकोलॉजिकल दिक्कते रही हैं. कुछ लोगों में मनोवैज्ञानिक दिक्कतें होती हैं. रेखा बिलकुल खोई रहती हैं. उन्हें एक मजबूत मर्द की जरूरत है.

आयुष्मान खुराना-सारा अली खान की फिल्म की क्रू संग मारपीट, रोकी गई शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और एक्ट्रेस सारा अली खान की आने वाली फिल्म पति-पत्नी और वो दो की शूटिंग के दौरान एक अजीब वाक्या हुआ. यहां फिल्म की क्रू के साथ अचानक आकर कुछ लोगों ने मारपीट शुरू कर दी. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और एक्ट्रेस सारा अली खान की आने वाली फिल्म पति-पत्नी और वो दो की शूटिंग इस वक्त यूपी के प्रयागराज में चल रही है. फिल्म की शूटिंग को लेकर कई अपडेट्स आ रही हैं. इसी बीच एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है. यहां शूटिंग के बीच कुछ लोगों ने घुसकर क्रू पर हमला किया और मारपीट का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि शूटिंग के बीच अचानक कुछ लोग आते हैं और क्रू के एक शख्स को अचानक काफी बुरी तरह से मारने लगते हैं. बाद में ये मामला और भी आगे बढ़ जाता है और बाकी लोगों को भी वहां पर मारपीट करते देखा जा सकता है. कहा जा रहा है कि क्रू को मारने वाले लोग आम लोग थे.

वीडियो में क्या है ?

अबतक ये बात साफ नहीं हो पाई है कि आखिर ये लड़ाई क्यों हुई. वीडियो में बाद में पुलिस को मामले को सुलझाते हुए भी देखा जा सकता है, जिसके बाद मामला शांत हुआ. इस मामले के सामने आने के बाद शूटिंग के दौरान कास्ट और क्रू की सेफ्टी को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है. साथ ही साफतौर पर पुलिस के इंतजामों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं.

'पति-पत्नी और वो दो' की कास्ट

इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कितनी बुरी तरह से फिल्म के क्रू के साथ मारपीट की गई है. इस मामले पर फिल्म पति-पत्नी और वो दो के मेकर्स या फिर एक्टर्स की तरफ से किसी भी तरह का क्लेरिफिकेशन या फिर कोई स्टेटमेंट सामने नहीं आया है. इससे पहले भी सेट से एक वीडियो सामने आया था, जहां सारा अली खान और आयुष्मान खुराना को एक गाड़ी में बैठे स्पॉट किया गया था. इस फिल्म में लीड रोल में सारा, आयुष्मान और रकुलप्रीत सिंह नजर आने वाले हैं.

पिता बनने के बाद कितनी बदली जिंदगी?

सिद्धार्थ मल्होत्रा

ने डैडी ड्यूटी पर की बात, कहा मैं सिर्फ...

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर इस वक्त चर्चा में बने हुए हैं. 'परम सुंदरी' में सिद्धार्थ के साथ जान्हवी कपूर भी शामिल हैं. हाल ही में दोनों स्टार्स अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए द ग्रेट इंडियन कपिल शो में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने एक्टर ने पिता बनने के बाद के अपनी जिंदगी के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि पिता बनने के बाद से उनका डेली

रूटीन पूरी तरह से बदल गई है.29 अगस्त को 'परम सुंदरी' सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, ये फिल्म क्रॉस कल्चरल रोमांस पर बेस्ड है. हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अपनी फिल्म के लिए द ग्रेट इंडियन कपिल शो में दिखे हैं. हालांकि, एक्टर का ये शो अभी स्ट्रीम नहीं हुआ है, लेकिन हालिया एपिसोड का प्रोमो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस प्रोमो में देखा जा सकता है कि सिद्धार्थ ने अपनी डैडी ड्यूटी के बारे में बात की है. उन्होंने बताया कि उनका शेड्यूल चेंज हो गया है.

सपोर्टिंग एक्टर हूं

एक्टर ने कहा, अरे पूरा शेड्यूल चेंज हो गया, अभी मैं वहीं से आ रहा हूं सुबह सुबह. चाहे वो खाने पीने का ध्यान हो, उनके सोने का पैटर्न हो, आज कल रात को देर रात चल रही है पर अलग किस्म की. 3 4 बजे फीडिंग हो रहा है. सिद्धार्थ ने आगे कहा कि मैं अभी केवल सपोर्टिंग एक्टर का किरदार निभा रहा हूं, जो कि केवल खड़े होकर देख रहा है. सिद्धार्थ कियारा के बच्चे की बात करें, तो दोनों फरवरी 2025 में बेबी गर्ल का वेलकम किया था.

फरवरी में दी दस्तक

कपल ने अपने सोशल मीडिया पर ऑफिशियल स्टेटमेंट शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की थी. उन्होंने पोस्ट में लिखा था कि हमारा दिल भर गया है और हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है, हमें एक बच्ची का आशीर्वाद मिला है. हालांकि, इसके बाद ही एक्टर ने पैपराजी से रिक्वेस्ट की थी कि वे उनकी बेटी की तस्वीर न लें, जब तक वो परमिशन न दें.

अमेरिका द्वारा भारतीय उद्योगों पर लगाए गए टैरिफ के खिलाफ प्रदर्शन किया

पम्मा और यादव ने कहा कि अमेरिका की यह नीति भारतीय उद्योगों के लिए बेहद हानिकारक है

दिव्य दिल्ली : सदर बाजार के कुतुब रोड चौक पर शनिवार को सैकड़ों व्यापारी एकत्र हुए और फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव की अगुवाई में अमेरिका द्वारा भारतीय उद्योगों पर लगाए गए टैरिफ के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने हाथों में बैनर लेकर "टैरिफ नीति वापस लो" और "अमेरिका तानाशाही बंद करो" जैसे नारे लगाए। पम्मा और यादव ने कहा कि अमेरिका की यह नीति भारतीय उद्योगों के लिए बेहद हानिकारक है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि करोड़ों रुपए का माल, जो अमेरिकी ऑर्डर पर तैयार किया गया था, टैरिफ लागू होने के कारण अमेरिकी व्यापारी लेने से पीछे हट रहे हैं, जिससे इंडस्ट्री को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने चेताया कि इस नीति से भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी कमजोर होगी और व्यापार में गिरावट आएगी। इस मौके पर दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि व्यापारियों को जीएसटी में राहत दी जाए और सस्ते लोन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि स्वदेशी उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार की प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकें। प्रदर्शन में व्यापारी नेता कमल कुमार, दीपक मित्तल, वरिंदर सिंह, चौधरी योगेंद्र सिंह, हरजीत सिंह छाबड़ा, रजनीश भयाना और सुरेश जैन सहित कई व्यापारी मौजूद रहे और अमेरिका की टैरिफ नीति की कड़ी निंदा की।

तृणमूल सांसद की गृहमंत्री पर टिप्पणी घोर निंदनीय : आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि गृहमंत्री अमित शाह पर तृणमूल सांसद द्वारा की गई असंसदीय और आपत्तिजनक टिप्पणी अक्षम्य तथा घोर निंदनीय है। तृणमूल कांग्रेस के राजनीतिक कुसंस्कारों को प्रकट करती यह टिप्पणी भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास करने वाले प्रत्येक भारतीय का अपमान है। तृणमूल कांग्रेस को इस अभद्र टिप्पणी के लिए अविलंब समूचे देश से माफी मांगनी चाहिए। एक वायरल वीडियो में सांसद मोइत्रा ने कहती दिख रही हैं कि घुसपैठ रोकना गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है, जिसमें गृहमंत्री अमित शाह विफल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने वाराणसी में पहली बार किया जनता दर्शन, सुनी लोगों की समस्याएं

वाराणसी,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी के सर्किट हाउस में पहली बार शनिवार को जनता दर्शन किया और वाराणसी सहित आसपास के जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। सेवा, सुरक्षा और सुशासन के विषय को लेकर मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को जनता के हित में कार्य करने की हिदायत दी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु निर्देश देते हुए कहा कि वाराणसी और मंडल की जन समस्याओं के निराकरण में त्वरित कार्य होना चाहिए। विलंब होने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। तहसील, थाना से लेकर सभी मामलों को मौके पर ही समाधान देने का प्रयास होना

जल्द आ रहा हैं आइकॉनिक वुमन अचीवर्स अवार्डस 2025

नीति बाग: दिव्य दिल्ली

महिला सशक्तिकरण में उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए भारतीय प्रतिष्ठित महिला अचीवर्स अवाड्र्स की शानदार वापसी हो रही है। यह पुरस्कार समारोह, जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, फैशन, सामाजिक कार्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों की बेहतरीन प्रतिभाओं का सम्मान करता है, 11 सितंबर 2025 को लखनऊ के हिल्टन होटल में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक विपिन अग्निहोत्री, क्रिएटिव स्कूल, न्यूट्रीली हेल्थकेयर और क्लब वन एयर द्वारा किया जा रहा है। दिल्ली के प्रेस क्लब आफ इंडिया में आयोजित प्रेस वार्ता में फिल्म निमार्ता विपिन अग्निहोत्री ने मीडिया से कहा, ह्लइंडियन आइकॉनिक वुमन अचीवर्स अवाड्र्स केवल एक प्रतिभा उत्सव नहीं है, बल्कि यह भारतीय महिला सशक्तिकरण के उभरते परिदृश्य को श्रद्धांजलि है।ह्व समारोह के तीसरे संस्करण में, इस बार का लक्ष्य और बड़ा और समावेशी कार्यक्रम पेश करना है, जो उन प्रेरणादायक कहानियों को उजागर करेगा जो देशभर के लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। क्रिएटिव स्कूल के संस्थापक अभिषेक गुरुमाधव ने कहा, ह्लहमारा उद्देश्य इस शो को और भी व्यापक बनाना है।ह्व न्यूट्रीली हेल्थकेयर के संस्थापक नवीन अग्रवाल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, "महिला एक संपूर्ण चक्र है, जिसमें सृजन, पोषण और परिवर्तन की शक्ति है।" वहीं, क्लब वन एयर के सीईओ संजय जुल्का ने कहा, "महिलाओं की सफलता के लिए खड़े न हो, बल्कि इस पर जोर दें।" इस वर्ष का समारोह आकर्षक प्रस्तुतियों, भावभीनी श्रद्धांजलि और अविस्मरणीय रेड कार्पेट पलों का वादा करता है। नामांकन की सूची पहले ही सोशल मीडिया पर उत्साह का माहौल बना चुकी है और अब इस अद्भुत आयोजन के लिए सभी की नजरें 11 सितंबर पर होंगी।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर लुटेरा घायल

नोएडा । थाना सेक्टर 126 पुलिस ने शुक्रवार की देर रात को एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। यह बदमाश लूटपाट की वारदातें करता है। पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर 126 पुलिस शुक्रवार की देर रात को पुस्ता रोड सेक्टर 126 के पास बैरियर लगाकर चैकिंग कर रही थी, तभी मोटरसाइकिल पर सवार होकर एक बदमाश आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया तो वह रुकने की बजाए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाकर भागने लगा। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली रवि रंजन कुमार उर्फ बहादुर बादशाह पुत्र गजाधर निवासी जनपद नवादा बिहार के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि इसकी उम्र 37 वर्ष है। डीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

शिल्पा भसीन मेहरा की पुस्तक "अनफिल्टर्ड एंड अनअपॉलिजेटिक" का हुआ भव्य विमोचन

दिव्य दिल्ली

महिला सशक्तिकरण में उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए भारतीय प्रतिष्ठित महिला अचीवर्स अवाड्र्स की शानदार वापसी हो रही है। यह पुरस्कार समारोह, जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, फैशन, सामाजिक कार्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों की बेहतरीन प्रतिभाओं का सम्मान करता है, 11 सितंबर 2025 को लखनऊ के हिल्टन होटल में आयोजित होगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक विपिन अग्निहोत्री, क्रिएटिव स्कूल, न्यूट्रीली हेल्थकेयर और क्लब वन एयर द्वारा किया जा रहा है। दिल्ली के प्रेस क्लब आफ इंडिया में आयोजित प्रेस वार्ता में फिल्म निमार्ता विपिन अग्निहोत्री ने मीडिया से कहा, ह्लइंडियन आइकॉनिक वुमन अचीवर्स अवाड्र्स केवल एक प्रतिभा उत्सव नहीं है, बल्कि यह भारतीय महिला सशक्तिकरण के उभरते परिदृश्य को श्रद्धांजलि है। समारोह के तीसरे संस्करण में, इस बार का लक्ष्य और बड़ा और समावेशी कार्यक्रम पेश करना है, जो उन प्रेरणादायक कहानियों को उजागर करेगा जो देशभर के लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। क्रिएटिव स्कूल के संस्थापक अभिषेक गुरुमाधव ने कहा, हमारा उद्देश्य इस शो को और भी व्यापक बनाना है। न्यूट्रीली हेल्थकेयर के संस्थापक नवीन अग्रवाल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, "महिला एक संपूर्ण चक्र है, जिसमें सृजन, पोषण और परिवर्तन की शक्ति है।" वहीं, क्लब वन एयर के सीईओ संजय जुल्का ने कहा, "महिलाओं की सफलता के लिए खड़े न हो, बल्कि इस पर जोर दें।"

इस वर्ष का समारोह आकर्षक प्रस्तुतियों, भावभीनी श्रद्धांजलि और अविस्मरणीय रेड कार्पेट पलों का वादा करता है। नामांकन की सूची पहले ही सोशल मीडिया पर उत्साह का माहौल बना चुकी है और अब इस अद्भुत आयोजन के लिए सभी की नजरें 11 सितंबर पर होंगी।

बीएचयू में 200 से अधिक दृष्टिबाधित विद्यार्थी अध्ययनरत, पुस्तकें ऑडियो फार्मेट में तैयार

कुलपति ने सयाजी राव गायकवाड़ केन्द्रीय ग्रंथालय के प्रयासों को सराहा

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)में 200 से अधिक दृष्टिबाधित विद्यार्थी अध्ययनरत है। इन विद्यार्थियों के अध्ययन में परिसर स्थित सयाजी राव गायकवाड़ केन्द्रीय ग्रंथालय (लाईब्रेरी)बड़ा सहायक है।

ग्रंथालय में दृष्टिबाधित डिजिटल लाइब्रेरी सेवा इन छात्रों के लिए तैयार किया गया है। यहां किबो स्कैनर की मदद से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों को ऑडियो फार्मेट में तैयार कर निःशुल्क उन्हें मुहैया कराया जाता है। इसके अंतर्गत अब तक कुल 600 से अधिक पुस्तकों को ऑडियो फार्मेट में तैयार किए जा चुके हैं। इसके साथ ही इन विद्यार्थियों को ब्रेल लिपि में पुस्तकों को भी प्रिंट कर निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। यह जानकारी केन्द्रीय ग्रंथालयी डॉ. डी. के. सिंह ने कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी को दी।

ग्रंथालय में पहुंचे कुलपति ने यहां उपलब्ध सुविधाओं का शनिवार जायजा लिया। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डी. के. सिंह ने यहां उपलब्ध ऐतिहासिक और दुर्लभ पाण्डुलिपियों के बारे में अवगत कराया।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि केन्द्रीय ग्रंथालय विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। उन्होंने विद्यार्थी सुविधाओं के उन्नयन की दिशा में पुस्तकालय के प्रयासों और प्रगति की सराहना की।

उन्होंने सुझाव दिया कि तकनीक के वृहद इस्तेमाल से ग्रंथालय को और आधुनिक व विद्यार्थी अनुकूल बनाने पर कार्य करना होगा। कुलपति ने केन्द्रीय ग्रंथालय के पाण्डुलिपि अनुभाग में संरक्षित पांडुलिपियों का भी अवलोकन किया। अनुभाग के कंजरवेटर संजय कुमार ने कुलपति को ग्रंथालय में उपलब्ध विभिन्न ऐतिहासिक और दुर्लभ पाण्डुलिपियों के बारे में अवगत कराया।

कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध दुर्लभ और समृद्ध साहित्यिकत एवं शैक्षिक विरासत के बारे में दुनिया को पता चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्लभ कृतियों का कैटलॉग बीएचयू की वेबसाइट पर उपलब्ध कराने से इसकी शुरूआत की जा सकती है ताकि देश-विदेश के शोधकताओं को इसकी जानकारी मिल सके। बताया गया कि विश्वविद्यालय में कुल 12,500 से अधिक पाण्डुलिपियां मौजूद हैं जिनमें से 7,281 पाण्डुलिपि केन्द्रीय ग्रंथालय में संरक्षित है।

केन्द्रीय ग्रंथालय में नवीनतम सुविधा आरएफआईडी की भी औपचारिक शुरूआत हो गई है। अब विद्यार्थियों को पुस्तकें निर्गत कराने और जमा करने के लिए लंबी पंक्तियों से निजात मिल जाएगी। केन्द्रीय ग्रंथालय में हर रोज सैकड़ों विद्यार्थी पुस्तकें जमा और निर्गत कराने आते हैं।

सड़क हादसों में ट्रक चालक समेत दो की मौत

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में ट्रक चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

थाना फेस तृतीय के प्रभारी ध्रुव भूषण दुबे ने शनिवार बताया कि ग्राम गढ़ी चौखंडी निवासी देवेंद्र ने शुक्रवार रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि बेटा अनुराग मौर्य (21) बीती रात घर के सामने सड़क पर खड़ी बाइक पर बैठा था। इसी दौरान एक टैंपो चालक बेटे को टक्कर मारकर भाग निकला। घायल बेटे को इलाज के लिए कैलाश अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

इसी तरह थाना कासना में जय ओम ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका बड़ा भाई शाहजहांपुर निवासी हरिओम ट्रक चालक था। 28 अगस्त की रात को भाई मंगोलिया मार्केट क्लोजिंग प्राइवेट लिमिटेड का माल ट्रक में भरकर पलवल जा रहे थे। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के सिरसा कट के पास ट्रक में कुछ खराबी आ गई। इस दौरान सड़क किनारे वाहन को खड़ा किया और नीचे उतरकर ट्रक की जांच करने लगे। तभी एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। इलाज के दौरान भाई की अस्पताल में मौत हो गई। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

ट्रैवेल्स कार्यालय में आगजनी करने के पांच आरोपित गिरफ्तार, एनएसए की होगी कार्रवाई

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई जिले में कालपी बस स्टैंड के पास स्थित शताब्दी ट्रैवेल्स के कार्यालय में शुक्रवार देर रात दो पक्षों के बीच विवाद के बाद आगजनी की घटना से तनावपूर्ण माहौल बन गया। पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जबकि कई फरार आरोपितों की तलाश में छापेमारी जारी है। घटना में शामिल सभी आरोपितों पर गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा शनिवार को बताया कि शताब्दी ट्रैवेल्स के कार्यालय में बीती रात एक कपल बैठा था। इसी दौरान कुछ युवकों का एक समूह वहां पहुंचा और उन्होंने मोबाइल फोन से कपल का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच तकरार शुरू हो गई। तकरार बढ़ते हुए दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इसी दौरान एक पक्ष के लोगों ने ट्रैवेल्स कार्यालय में आग लगा दी, जिससे अंदर रखा सामान जलकर खाक हो गया। मारपीट और आगजनी की सूचना पर भारी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच गया और स्थिति को नियंत्रण में करत हुए तहकीकात शुरू की।

एएसपी ने बताया कि इलाके में पुलिस ने पैदल मार्च किया। जांच के आधार पर पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ उरई कोतवाली में मारपीट, आगजनी और दंगा-फसाद जैसे मामले दर्ज किए गए हैं। घटना में शामिल अन्य फरार आरोपितों की तलाश जारी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न इलाकों में छापेमारी की जा रही है। आरोपितों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मुठभेड़ में लुटेरे सगे भाई गिरफ्तार, तमंचे-कुंडल व बाइक बरामद

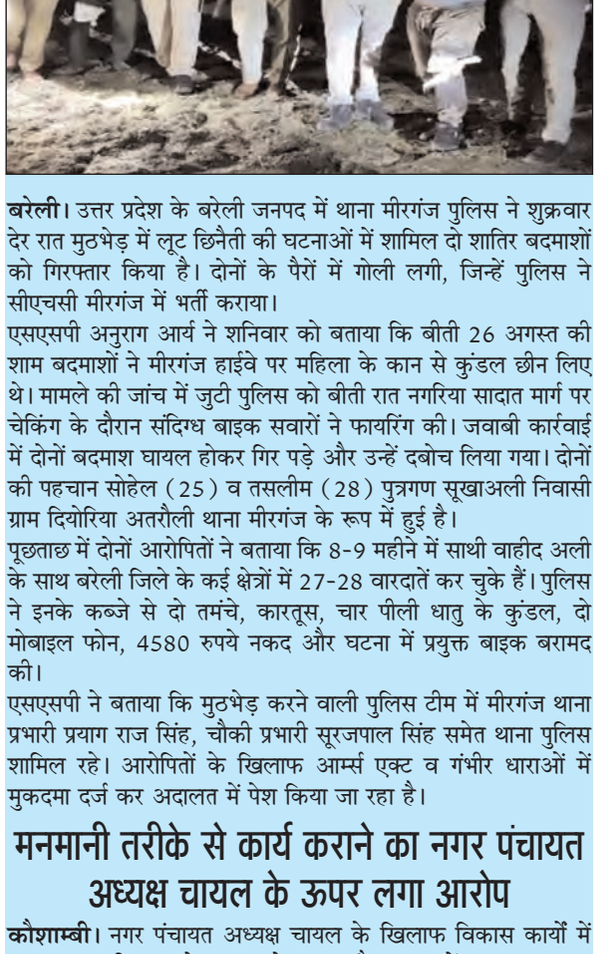

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद में थाना मीरगंज पुलिस ने शुक्रवार देर रात मुठभेड़ में लूट छिनैती की घटनाओं में शामिल दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैरों में गोली लगी, जिन्हें पुलिस ने सीएचसी मीरगंज में भर्ती कराया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने शनिवार को बताया कि बीती 26 अगस्त की शाम बदमाशों ने मीरगंज हाईवे पर महिला के कान से कुंडल छीन लिए थे। मामले की जांच में जुटी पुलिस को बीती रात नगरिया सादात मार्ग पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवारों ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल होकर गिर पड़े और उन्हें दबोच लिया गया। दोनों की पहचान सोहेल (25) व तसलीम (28) पुत्रगण सूखाअली निवासी ग्राम दियोरिया अतरौली थाना मीरगंज के रूप में हुई है।

पूछताछ में दोनों आरोपितों ने बताया कि 8-9 महीने में साथी वाहीद अली के साथ बरेली जिले के कई क्षेत्रों में 27-28 वारदातें कर चुके हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से दो तमंचे, कारतूस, चार पीली धातु के कुंडल, दो मोबाइल फोन, 4580 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की।

एसएसपी ने बताया कि मुठभेड़ करने वाली पुलिस टीम में मीरगंज थाना प्रभारी प्रयाग राज सिंह, चौकी प्रभारी सूरजपाल सिंह समेत थाना पुलिस शामिल रहे। आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट व गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश किया जा रहा है।

मनमानी तरीके से कार्य कराने का नगर पंचायत अध्यक्ष चायल के ऊपर लगा आरोप

कौशाम्बी। नगर पंचायत अध्यक्ष चायल के खिलाफ विकास कार्यों में पक्षपात का किए जाने का आरोप लगा है। सभासदों का एक समूह एकत्रित होकर उपजिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित हुआ और ज्ञापन सौंपाकर नगर अध्यक्ष के कारनामें से अवगत कराया। सभासदों का आरोप है कि नगर अध्यक्ष द्वारा बिना किसी सभासद के सहमति लिए मनमाने ढंग से ई-टेंडर में प्रस्ताव तैयार किया जाता है। अध्यक्ष द्वारा किसी वार्ड में लाखों रूपए का विकास कार्य कराया जाता है तो किसी वार्ड में बिल्कुल ही विकास कार्य नहीं कराया गया। नगर अध्यक्ष के सह पर नगर के विकास कार्यों में ठेकेदार के द्वारा मनमानी करते हुए मनकविहीन कार्य कराया जाता है। अध्यक्ष द्वारा नगर क्षेत्र के विकास कार्यों में भ्रष्टाचार व कमीशनखोरी की नीति अपनाई जाती है। फिर से बनाकर सरकारी धन का अध्यक्ष और ठेकेदार आपस में बंदर बाँट कर अपनी जेब भरने में लगे हैं।

हर घर जल हर घर नल योजना धराशायी, औरैया सदर ब्लाक का इकवालपुर गांव प्यासा

औरैया। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर जल, हर घर नल का सपना उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के सदर ब्लाक में बिखरता नजर आ रहा है। सरकार की मंशा है कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचे, लेकिन हकीकत यह है कि गांवों के लोग आज भी स्वच्छ जल के लिए तरस रहे हैं। सदर ब्लाक की ग्राम पंचायत अकबरपुर के गांव इकवालपुर इस योजना की असफलता की तस्वीर पेश कर रहा है।

गांव निवासी राकेश बाबू बताते हैं कि योजना शुरू हुए काफी समय हो गया, लेकिन आज तक एक बूंद पानी नलों से नहीं आया। वहीं अरविन्द बाबू का कहना है कि गांव की सभी आरसीसी गलियां जल निगम ने खुदवाई थीं, लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया। अब तक किसी गली की मरम्मत तक नहीं की गई, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो गया है। ग्रामीण शालिल बाबू का कहना है कि डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी नलों से पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। ग्रामीण डोरी लाल ने आरोप लगाया कि जहां पीतल की टोटी लगनी चाहिए थी, वहां जल निगम ने प्लास्टिक की टोटियां लगाकर खानापूर्ति कर दी। मान सिंह का कहना है कि पाइप लाइन तक पूरी नहीं डाली गई, तो पानी की आपूर्ति कैसे होगी।मिजाजी लाल ने बताया कि मजबूरी में गांव वाले आज भी इंडियामार्ट के नलकूप का पानी पी रहे हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321